दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, मंगलवार, 12 मई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 156, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

बंगाल सीएम का पहला निर्णय ही धमाकेदार

बीएसएफ को घुसपेंठ रोकने के लिए ज़मीन 45 दिन में

कोलकाता ● एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए BSF को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए 45 दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी।

हावड़ा के नाबन्ना में नवनिर्वाचित BJP सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। CM अधिकारी ने कहा कि यह फैसला बैठक में लिए गए मुख्य प्रस्तावों में से एक था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि TMC सरकार ने राज्य में पुराने IPC और CrPC की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) को लागू नहीं किया था।

राज्य में अब BNS लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और जन आरोग्य योजना भी पश्चिम बंगाल में भी लागू की जाएंगी। पहली कैबिनेट बैठक में मंत्री दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निषिथ प्रमाणिक, क्षुदीराम और अशोक कीर्तनिया मौजूद थे। अभी तक मंत्रियों को विभाग नहीं बांटे गए हैं।

भारत, बांग्लादेश के साथ 4,097 किलोमीटर लंबी बॉर्डर शेयर करता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार लगभग 3,240 किलोमीटर की सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है और लगभग 850 किलोमीटर, जिसमें 175 किलोमीटर का दुर्गम भूभाग भी शामिल है, इस पर बाड़बंदी होनी बाकी है। CM अधिकारी ने दावा किया कि प्रस्तावित 127 किलोमीटर के खंड में से केवल लगभग 8 किलोमीटर के हिस्से को ही ममता बनर्जी की सरकार के कार्यकाल में फेंसिंग की गई थी।

पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश के साथ लगभग 2,216 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। यह भारत-बांग्लादेश की सबसे लंबी स्टेट बॉर्डर है।

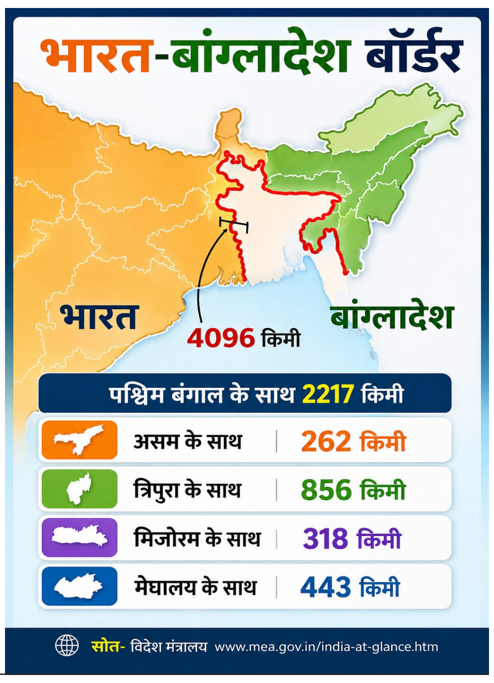

राहुल बोले- देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं; नाकामी के सबूत

नई दिल्ली ● एजेंसी

राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है।

X पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।' उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।'

दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके।

विपक्ष ने कहा, देश में सिर्फ एक संकट 'भाजपा'

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था और विदेश नीति दोनों को संभालने में विफल रही है। जैसे ही चुनाव खत्म हुए, सरकार को अचानक 'संकट' याद आ गया। असल में देश के लिए केवल एक ही संकट है और उसका नाम भाजपा है।"

AAP नेता संजय सिंह ने कहा, 'कल पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो महीनों से सरकार आपका बोझ उठा रही थी। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो आपकी उपयोगिता भी खत्म हो गई। आपका बोझ तब तक उठाया, जब तक पांच राज्यों में चुनाव चल रहे थे। अब वे लोगों से कह रहे हैं कि तेल, पेट्रोल और गैस कम इस्तेमाल करें और सोना न खरीदें। क्या उन्हें चुनाव के दौरान यह सब याद नहीं था।'

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा,'आर्थिक स्थिति आधिकारिक आंकड़ों और प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों के अब तक किए जा रहे दावों से कहीं ज्यादा गंभीर है।

पीएम की 24 घंटे में दूसरी अपील

डेस्टिनेशन वेडिंग से बचें, ऑनलाइन क्लासेज चुनें; फिर किया ईंधन बचाने का आह्वान

वडोदरा ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंट में लगातार दूसरी बार देशवासियों से तेल की बचत करने की अपील की है। उन्होंने वडोदरा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट पिछले कई वर्षों के सबसे गंभीर संकटों में से एक है। उन्होंने विश्वास जताया कि जैसे भारत ने कोविड-19 महामारी से सफलतापूर्वक उबरकर आगे बढ़ा, वैसे ही इस संकट से भी देश बाहर निकलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का एक बड़ा हिस्सा बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है, ताकि देश की आर्थिक स्थिति और मजबूत हो सके। उन्होंने संबोधन से पहले 'सरदारधाम-3' शैक्षणिक संकुल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन किसी पवित्र त्योहार से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने से पहले वे सोमनाथ मंदिर भी गए थे, जहां उन्हें सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित अमृत महोत्सव में शामिल होने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का सपना सरदार पटेल के संकल्प से ही पूरा हुआ था। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरोहर भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि जब भी देश पर युद्ध या कोई बड़ी आपदा आई है, तब नागरिकों ने सरकार के आह्वान पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है और अब भी इसी एकजुटता की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि आयात पर निर्भरता कम करने के प्रयास किए जाएं और ऐसे व्यक्तिगत खर्चों से बचा जाए जिनमें विदेशी मुद्रा का उपयोग होता है। पीएम ने एक बार फिर से लोगों से अपील की कि ईंधन की खपत कम करें और निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाएं या इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग फिलहाल सोना खरीदने जैसी गैर-जरूरी खर्च वाली चीजों को टालें, ताकि देश की आर्थिक स्थिरता को मजबूती मिल सके। उन्होंने स्कूलों में अस्थायी रूप से ऑनलाइन कक्षाएं चलाने की सलाह भी दी, ताकि मौजूदा परिस्थितियों में शिक्षा व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले भी जब देश युद्ध या किसी बड़े संकट से गुजरा है, तब हर नागरिक ने सरकार के आह्वान पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। आज भी सभी लोगों को मिलकर देश के संसाधनों पर बोझ कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत कई वस्तुओं के आयात पर लाखों करोड़ रुपये विदेशी मुद्रा खर्च करता है, जबकि आयातित वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन भी प्रभावित है।

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे एक-एक बूंद मिलकर घड़ा भरता है, वैसे ही छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। इसलिए हमें विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करनी चाहिए और रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे खर्चों से बचना चाहिए जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे ताकि बाहरी चुनौतियों के बावजूद देश की प्रगति पर कोई असर न पड़े।

तत्कालीन SP समेत 4 पुलिसकर्मियों पर डकैती का केस

ग्वालियर कोर्ट का आदेश, 22 जून को तलब किया; 30 लाख की वसूली का आरोप

ग्वालियर ● एजेंसी

ग्वालियर की विशेष सत्र अदालत ने तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (SP) राजेश चंदेल, तत्कालीन थाटीपुर थाना प्रभारी सुरेंद्र नाथ सिंह, सब इंस्पेक्टर अजय सिंह और हवलदार संतोष वर्मा के खिलाफ डकैती, लूट और साजिश रचने का मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने सभी आरोपियों को 22 जून 2026 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया है। मामला साल 2024 का है। शिकायतकर्ता अनूप राणा ने कोर्ट में आरोप लगाया था कि पुलिसकर्मियों ने उसके परिवार से करीब 30 लाख रुपए की अवैध वसूली की।

कोर्ट में यह केस पिछले दो साल से सुनवाई में था, जिस पर सोमवार को आदेश सुनाया गया। शिकायतकर्ता पक्ष के अधिवक्ता अशोक प्रजापति ने मामले की पुष्टि की है।

शिकायत की तो उल्टा जेल भेज दिया- शिकायतकर्ता पक्ष के मुताबिक, अनूप राणा के भाई पर थाटीपुर थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज था, जिसमें फरियादी से समझौता हो चुका था। आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस ने पहले 5 लाख रुपए लिए और बाद में और पैसों की मांग करने लगी।

कोर्ट में दी गई दलील के अनुसार, तत्कालीन थाना प्रभारी सुरेंद्र नाथ सिंह के इशारे पर हवलदार संतोष वर्मा ने अनूप राणा के घर से 9.50 लाख रुपए और मामले से जुड़ी एक महिला आरोपी के घर से 15 लाख रुपए लिए।

एसपी से की थी लिखित शिकायत- अनूप राणा ने जब तत्कालीन SP राजेश चंदेल से इसकी लिखित शिकायत की, तो कार्रवाई करने के बजाय मामला दोबारा थाटीपुर थाने भेज दिया गया। आरोप है कि इसके बाद पुलिस ने अनूप राणा को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने साल 2024 में अदालत का दरवाजा खटखटाया।

केन-बेतवा आंदोलनकारी अमित भटनागर जमानत के बाद लापता

पन्ना। पन्ना में केन-बेतवा लिंक परियोजना का विरोध कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर जेल से रिहाई के बाद लापता हैं। अमित भटनागर के भाई अंकित भटनागर ने एक वीडियो जारी कर पुलिस और प्रशासन पर आरोप लगाए। अंकित का कहना था कि जब वे जमानत मिलने के बाद अमित को लेने जेल पहुंचे, तो पता चला कि उन्हें पुलिस और वन विभाग के लोग अपने साथ ले जा चुके हैं। उनका अपहरण किया गया।

परिवार को इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी न मिलने के कारण अंकित ने अमित की जान को खतरा बताते हुए कलेक्टर और एसपी से मदद मांगी। मामले के तूल पकड़ने के बाद पीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर बीके पटेल ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि अमित भटनागर को पन्ना टाइगर रिजर्व की टीम ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में पकड़ा है। आरोप है कि कुछ समय पहले एक प्रदर्शन के दौरान अमित बिना अनुमति टाइगर रिजर्व के 'कोर एरिया' (दौड़न बांध क्षेत्र) में दाखिल हुए थे, जो प्रतिबंधित है। लेकिन इस संबंध में जब दैनिक भास्कर ने डिप्टी डायरेक्टर से पूछा कि परिजन अपहरण का आरोप लगा रहे हैं, उनका कहना है कि परिवार को गिरफ्तारी की कोई भी सूचना नहीं दी गई है।

ईरान ने समुद्र में 3,000 बैरल तेल बहाया

ऑयल स्टोर की जगह कम पड़ी अमेरिका प्रतिबंधों का साइड इफेक्ट

नई दिल्ली ● एजेंसी

फारस की खाड़ी में ईरान के सबसे बड़े ऑयल टर्मिनल Kharg Island के पास सामने आई कथित तेल रिसाव की सैटेलाइट तस्वीरों ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, समुद्र में करीब 3,000 बैरल कच्चा तेल फैल चुका है और यह दाग 51 वर्ग मील से ज्यादा इलाके में दिखाई दे रहा है। हालांकि ईरान ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर मध्य-पूर्व की जियोपॉलिटिक्स, अमेरिकी प्रतिबंधों और ऊर्जा संकट पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

दरअसल, इस पूरे मामले की जड़ में अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहा तनाव माना जा रहा है। Strait of Hormuz में बढ़ती सैन्य गतिविधियों और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान का तेल निर्यात काफी प्रभावित हुआ है। कई तेल टैंकर बंदरगाहों पर खड़े हैं और देश के भीतर तेल स्टोरेज क्षमता तेजी से खत्म हो रही है। कुछ अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि स्टोरेज फुल होने के कारण अतिरिक्त तेल को समुद्र में छोड़ा गया हो सकता है, ताकि उत्पादन पूरी तरह बंद न करना पड़े।

तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार, तेल उत्पादन को अचानक रोकना आसान नहीं होता। तेल के कुएं किसी सामान्य मशीन की तरह नहीं होते जिन्हें एक बटन दबाकर बंद किया जा सके। यदि अचानक उत्पादन रोक दिया जाए तो पाइपलाइनों में दबाव बढ़ सकता है, जाम लग सकता है और भूमिगत ऑयल रिजर्व को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है। यही वजह है कि कई बार उत्पादन जारी रखना मजबूरी बन जाता है, भले ही स्टोरेज की समस्या क्यों न हो।

वहीं कुछ विशेषज्ञ इस घटना को तकनीकी विफलता भी मान रहे हैं। उनका कहना है कि Kharg Island के आसपास मौजूद कई पाइपलाइनें काफी पुरानी हैं और लंबे समय से भारी दबाव झेल रही हैं। ऐसे में किसी पाइपलाइन में दरार या वाल्व फेल होने से समुद्र में तेल रिसाव हो सकता है। यदि ऐसा है तो यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि ईरान के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर की कमजोर स्थिति को भी उजागर करता है। इस रिसाव का सबसे बड़ा खतरा पर्यावरण पर मंडरा रहा है। फारस की खाड़ी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में गिनी जाती है।

अवैध पार्किंग में वेल्डिंग के दौरान हादसा; चश्मदीद बोले- गैस सिलेंडर भी फटे

इंदौर में 5 बसों में आग लगी, 4 धमाके हुए...

इंदौर ● संवाददाता

नवलखा इलाके में खड़ी 5 बसों में आग लग गई। इसकी लपटें करीब 5 किलोमीटर दूर तक दिखाई दीं। सूचना मिलते ही दो दमकल मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग लगने के दौरान 4 धमाके भी सुनाई दिए। ये गैस सिलेंडर फटने के जैसे थे। फिलहाल, इसकी प्रशासनिक पुष्टि नहीं हो पाई है। घटना नवलखा इलाके में तीन इमली के पास सोमवार सुबह की है। यहां बसें पार्क की जाती हैं।

पार्किंग में 20 से ज्यादा बसें खड़ी थीं

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, एक बस में मरम्मत का काम किया जा रहा था। इसी दौरान वेल्डिंग के दौरान बस ने आग पकड़ ली। कुछ ही देर में आग ने पांच बसों को चपेट में ले लिया। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि हादसे के वक्त मौके पर 20 से ज्यादा बसें खड़ी थीं। आनन-फानन में इन्हें यहां से हटाया गया। आसपास रिहायशी बस्ती होने की वजह से लोगों में घबराहट फैल गई। वे घरों से बाहर निकल आए।

पार्षद बोले- कई बार शिकायत की

स्थानीय पार्षद मनीष शर्मा ने कहा- रिहायशी इलाके में निजी बसों की पार्किंग और मरम्मत को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की जा चुकी है। सुनवाई नहीं होने से हमेशा बड़े हादसे का खतरा बना रहता है। पार्षद शर्मा मौके पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा- जब तक बसें यहां से नहीं हटतीं और इसका समाधान नहीं निकलता, मैं धरने पर ही बैठा रहूंगा। पुलिस ने बताया कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों का पता लगा रहे हैं।

शॉट न्यूज

फ्लायओवर के ट्रायल रन का शुभारंभ किया

इन्दौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और सांसद शंकर लालवानी ने आज इंदौर-देवास बायपास पर निर्मित अर्जुन बरोदा फ्लायओवर ब्रिज के ट्रायल रन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर फ्लायओवर को आम जनता के लिए खोल दिया गया। सोमवार से दोनों दिशाओं की ओर से नियमित रूप से वाहन संचालन प्रारंभ हो गया है, जिससे सैकड़ों वाहन चालकों और आम जनों को राहत मिलेगी। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से 800 मीटर लंबे फ्लायओवर का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। मार्च–अप्रैल में डामरीकरण का कार्य किया गया था, जो अब पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन लगभग 70 हजार वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं, जिससे लाखों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ होगा।

अंगदान में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर्स करेंगे कार्य

इन्दौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज अंगदान और देहदान के प्रति सामाजिक सहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर्स की बैठक आयोजित की गई। संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित इस बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर जिले में अंगदान और देहदान के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त दी। साथ ही उन्होंने इंदौर में इस क्षेत्र में अब तक हुए कार्यों और पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इन्फ्लुएंशर्स से इस क्षेत्र में कैसे जागरूकता लायी जाए तथा समाज की शंकाओं को दूर करने में भूमिका निभाने को कहा। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर में हुए अंगदान के संबंध में कई रौचक और नायब कहानियाँ भी बताई।

वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित होगा

इन्दौर। वृद्धजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 25 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर जनसुनवाई के दौरान वृद्धजनों से लगातार प्राप्त हो रही समस्याओं के मद्देनजर आयोजित किया जा रहा है। शिविर सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज इस शिविर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की शिविर का प्रभावी और परिणाम मूलक आयोजन हो और अधिक से अधिक वृद्धजनों को इस शिविर का लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए।

अरिहंत कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

इंदौर ● संवाददाता

अरिहंत कॉलेज एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "मध्य प्रदेश में शिक्षा के विकास हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा" का शुभारंभ अरिहंत कॉलेज में हुआ। संगोष्ठी में शिक्षाविदों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रथम तकनीकी सत्र का शुभारंभ राष्ट्रगीत,दीप प्रज्वलन, अरिहंत एंथम एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. कल्पेश पाठक, सदस्य WRC (NCTE), पूर्व कुलगुरु, गुजरात रहे तथा अध्यक्षता डॉ. पी.के. दुबे, प्राचार्य, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं अध्यक्षता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई ने की। मंच पर सुश्री शोभा ताई पैंठणकर (राष्ट्रीय संयोजक,शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास) एवं श्री जयंत कासलीवाल (संरक्षक,अरिहंत कॉलेज) उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र का प्रमुख आकर्षण "ज्ञान मंथन" शोध पत्रिका (जर्नल) का लोकार्पण रहा अतिथियों ने शोध पत्रिका का विमोचन करते हुए इसे अकादमिक शोध एवं बौद्धिक विमर्श को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया अपने उद्बोधन में अतिथियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष बल दिया। द्वितीय तकनीकी सत्र में प्रो. प्रेमलता चुटेल मुख्य वक्ता रहीं। सत्र की अध्यक्षता श्रीमती सुनिता जोशी,राष्ट्रीय को-कन्वीनर,शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने की। सत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों एवं शिक्षा में नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा हुई। संगोष्ठी में शोधार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा विभिन्न शोध पत्र भी प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस 12 मई को विभिन्न तकनीकी सत्रों, शोध पत्र प्रस्तुतियों एवं समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

पोरवाल समाज के प्रतिभाशाली युवक-युवतियों एवं वरिष्ठ जुटे एक साथ

इंदौर ● संवाददाता

आज यह सुनहरा अवसर था, अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के स्थापना दिवस को पोरवाल युवा दिवस के रूप में मनाने एवं इस अवसर पर इंदौर के संगठन के विस्तार का।

इस अवसर पर युवा तुर्क श्री प्रणम्य पोरवाल के संगठन के नव नियुक्त इंदौर नगर अध्यक्ष के रूप में अपने सैकड़ों युवा साथियों के साथ समाज की राष्ट्रीय एकता एवं सर्वांगीण विकास करने के लिए शपथ एवं इंदौर के 1000 युवक/युवतियों को शीघ्र ही जोडने का संकल्प लिया। इस शपथ विधि समारोह में समाज के युवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक एकता का परिचय देने का सुनहरा मौका मिला। आज पोरवाल समाज के युवाओं को बड़ा राष्ट्रीय मंच, साथ में आनंद और अपनों के साथ स्वादिष्ट डिनर के साथ साथ अपनी बात कहने का, राष्ट्र और समाज के लिए कुछ कर गुजरने का अवसर मिला। अवसर मिला है, यह कर दिखाने का कि कैसे उच्च तकनीकी और संगठन से सहज तरीके से समाज में और राष्ट्र में बदलाव लाया जा सकता है। अपनी पहचान इंदौर, प्रदेश और राष्ट्र में बनाई जा सकती है। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ संरक्षक राजेश पोरवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय स्वदेशी संघ, अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के संस्थापक राजेंद्र संघवी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र उदिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकुंवर उदिय, प्रांतीय अध्यक्ष जितेंद्र काला, जिला अध्यक्ष राजू भाई धनोतिया. अदि उपस्थित थे। प्रदेश प्रधार मंत्री आनंद पोरवाल इसके साथ ही जांगड़ा पोरवाल पंचायती महासभा के वरिष्ठ संरक्षक जगदीश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष आदरणीय लेखराज पोरवाल एवं सुभाष धनोतिया, सचिव अशोक मेहता आदि अन्य कई वरिष्ठजन उपस्थित थे।

जमीन पर कब्जा करने पहुंचा था

हिस्ट्रीशीटर ने चौकीदार के सिर पर तानी बंदूक

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र में जमीन कब्जाने का मामला सामने आया है। देपालपुर क्षेत्र के पास ग्राम धन्नड़ में हिस्ट्रीशीटर बदमाश विष्णु दुबे उर्फ बमबम पर जमीन की चौकीदारी कर रहे युवक को बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि शिकायत के तीन दिन बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

पीड़ित युवराज डाबी निवासी ग्राम मोथला ने बताया कि वह पिछले चार-पांच महीनों से ग्राम धन्नड़ स्थित एक जमीन की चौकीदारी कर रहा है। उसके अनुसार इंदौर का बदमाश विष्णु दुबे उर्फ बमबम लगातार उसे जमीन छोड़ने के लिए धमका रहा था।

चार-पांच साथियों के साथ पहुंचा आरोपी

युवराज के मुताबिक गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे आरोपी अपने चार-पांच साथियों के साथ लाल रंग की कार में मौके पर पहुंचा। वहां गाली-गलौज करने के बाद उसने बंदूक निकालकर उसके सीने पर तान दी और धमकाते हुए कहा कि "आज तो तुझे मार ही देता हूं।" आरोपी ने यह भी कहा कि यह जमीन वे हथिया लेंगे और बीच में आने पर जान से मार देंगे। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी ने खुद को हत्या के मामले में आरोपी बताते हुए कहा कि "मुझ पर 302 लग चुकी है, पुलिस और जेल से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।" युवराज का कहना है कि आरोपी ने दोबारा जमीन पर दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि जितेंद्र सेन उर्फ पटेल ने जमीन कब्जाने के लिए विष्णु बमबम को सुपारी दी है। युवराज के अनुसार संबंधित जमीन पर गौरव माहेश्वरी का कब्जा है। आरोप है कि बदमाशों ने मौके पर लगी फेंसिंग उखाड़ दी और चौकीदार के कमरे में तोड़फोड़ भी की।

विष्णु दुबे उर्फ बमबम, आरोपी

घटना मेरे थाना क्षेत्र की नहीं

देपालपुर थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल का कहना है कि युवक को धमकाने की शिकायत मिली है, लेकिन घटना थाना क्षेत्र की नहीं बताई जा रही है। इसके बावजूद वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दे दी गई है। वहीं एएसपी ग्रामीण रुपेश द्विवेदी ने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं थी। यदि बंदूक दिखाकर धमकाने की बात सही पाई जाती है तो आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ित की शिकायत पर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

20 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर क्राइम ब्रांच ने 20.78 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 2 लाख 10 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक गुटकेश्वर महादेव मंदिर वीआईपी रोड के पास एक व्यक्ति के ड्रग्स के साथ होने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने घेराबंदी कर एक कार सवार युवक को पकड़ा। कार की तलाशी में मिली एमडी ड्रग्स पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम अकरम खान निवासी देपालपुर बताया। कार की तलाशी लेने पर हैंडब्रेक के पास प्लास्टिक में रखी 20.78 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। निशानदेही पर दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार अकरम की निशानदेही पर पुलिस ने जावेद उर्फ जग्गू निवासी हातोद को भी गिरफ्तार किया। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी ड्रग्स सस्ते दाम में खरीदकर नशा करने वालों को ऊंचे दाम पर बेचते थे।

4.50 लाख का माल जब्त पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एमडी ड्रग्स, एक मोबाइल फोन और एक कार सहित कुल 4 लाख 50 हजार रुपए का माल जब्त किया है।

दिहाड़ी पर ड्राइवरी करता है आरोपी पुलिस के मुताबिक आरोपी अकरम दिहाड़ी मजदूरी पर ड्राइवरी करता है और 10वीं तक पढ़ा हुआ है। मामले में आगे पूछताछ जारी है।

बोला- ठेला ले गए तो जान दे दूंगा, नगर निगम कार्रवाई के दौरान हाईवोल्टेज ड्रामा

आम बेचने वाले ने गले पर रखा चाकू

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में सड़क पर ठेला लेकर घूमना एक ठेले वाले को सोमवार दोपहर इतना भारी पड़ गया कि उसने अपना ठेला बचाने के लिए खुद के गले पर चाकू रख लिया। ठेले वाले ने यहां तक कह दिया कि यदि ठेला ले गए तो वह जान दे देगा। कार्रवाई के दौरान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

दरअसल, पलसीकर इलाके में रहने वाला 28 वर्षीय मोहम्मद शाहरुख सिद्दीकी मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। वह पिछले 12-13 सालों से इंदौर में रह रहा है। उसने बताया कि सोमवार को वह आम का ठेला लेकर निकला था। जयरामपुर कॉलोनी में वह खाना खाने पहुंचा, लेकिन वहां उसे खाना नहीं मिला। इसके बाद वह पलसीकर चौराहे के पास पहुंचा। यहां खाना खाने के बाद जैसे ही वह ठेला लेकर निकला, तभी एक महिला ने उससे आम के दाम पूछे और दो किलो आम खरीद लिए। ठेला संचालक ने बताया कि आम देकर वह ठेला आगे बढ़ाने ही वाला था कि तभी अचानक वहां नगर निगम के कर्मचारी आ गए और उसे घेर लिया। उन्होंने ठेला सड़क किनारे लगवाया और आम भरने को कहा। विरोध करने पर कर्मचारी खुद ही आम भरने लगे। उसने उन्हें मना भी किया, लेकिन वे नहीं माने और ठेला उठाने के लिए बड़ी गाड़ी बुला ली।

ठेले पर थे 160 किलो आम, लोगों से उधार लेकर खरीदा था

मोहम्मद शाहरुख ने बताया कि पहले वह दूसरों के ठेले पर काम करता था, लेकिन अब खुद का ठेला लगाता है। वह लोगों से उधार लेकर माल खरीदता है और आम बेचने के बाद उनका पैसा लौटाता है। सोमवार को उसके ठेले पर 160 किलो आम थे। ये आम भी उसने उधार लेकर खरीदे थे। उसने कहा कि वह खुद का खर्च कम करके गांव में अपने माता-पिता को पैसे भेजता है। अगर नगर निगम उसका ठेला और माल जब्त कर लेता, तो उसके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता।

लोगों की लगी भीड़, गले पर रख लिया चाकू

मोहम्मद शाहरुख ने बताया कि इस दौरान वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। नगर निगम के कर्मचारी भी मौके पर इकट्ठा हो गए। वह लगातार उनसे मिन्नत करता रहा कि उसका ठेला छोड़ दें, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद उसने ठेले पर रखा चाकू उठाकर अपने गले पर रख लिया और कहा कि वह जान दे देगा। यह देखकर नगर निगम कर्मचारी भी चौंक गए। बाद में लोगों ने युवक को समझाया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। नगर निगम ने उसका ठेला तो छोड़ दिया, लेकिन पास में खड़े एक अन्य ठेले वाले का ठेला जब्त कर लिया।

संक्षेप

ओरछा के राजाताल में जंगल में लगी आग

निवाड़ी। निवाड़ी जिले की ओरछा तहसील के राजाताल इलाके में सोमवार शाम जंगल में भीषण आग लग गई। सूखे पत्तों और भीषण गर्मी के कारण आग तेजी से खेतों की ओर फैलने लगी, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। यह आग राजाताल और रामनगर के बीच स्थित जंगल क्षेत्र में भड़की। आसपास का क्षेत्र सूखा होने के कारण लपटें तेजी से फैलती चली गईं और बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय निवासी स्वप्नेश कुशवाहा ने बताया कि आग करीब दो घंटे से लगी हुई है और धीरे-धीरे खेतों की तरफ बढ़ रही है। इससे किसानों में चिंता का माहौल बन गया है। दमकल कर्मी लगातार आग बुझाने में जुटे हुए हैं ताकि लपटें आसपास के खेतों और आबादी वाले क्षेत्र तक न पहुंच सकें।

कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

अनूपपुर। अनूपपुर कलेक्टर कार्यालय परिसर में जुलूस, आमसभा और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग से कार्यालयीन व न्यायालयीन कार्यों में बाधा की संभावना को देखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने सोमवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा-163 के तहत ये आदेश जारी किए। इन आदेशों के तहत, कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर परिसर को ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन या आंदोलनकारी व्यक्ति परिसर में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं कर पाएगा। ज्ञापन सौंपने के लिए भी नियम तय किए गए हैं। व्यक्ति या संगठन कार्यकर्ताओं को कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार पर ही शांतिपूर्ण ढंग से और कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपना होगा।

बरा घाटी टोला में लाखों के जेवर-नगदी चोरी

शहडोल। शहडोल जिले के पपौंध थाना क्षेत्र के ग्राम बरा घाटी टोला में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे में एक मकान की दीवार तोड़कर घर में प्रवेश किया और लाखों के सोने-चांदी के जेवर सहित नगदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बरा घाटी टोला निवासी कमलेश साकेत अपने परिवार के साथ रात में घर के अंदर सो रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने घर के पिछले हिस्से को निशाना बनाया। चोरों ने पहले कच्ची दीवार में सेंध लगाई और फिर कमरे के भीतर पहुंचकर अलमारी व बक्सों को खंगाल डाला। आरोपियों ने घर में रखे सोने-चांदी के जेवर, नगदी और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो कमरे का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा मिला और दीवार टूटी हुई थी।

20 मई को मैहर में सभी मेडिकल दुकानें बंद रहेंगी

मैहर। सोमवार को दवा दुकानदारों की मीटिंग हुई, जिसमें ऑनलाइन दवा बेचने वाली कंपनियों के खिलाफ जमकर गुस्सा फूटा। दुकानदारों ने फैसला लिया है कि वे अपनी मांगों को लेकर 20 मई को देशभर में होने वाली हड़ताल में शामिल होंगे और अपनी दुकानें बंद रखेंगे। मां शारदा यात्री निवास में हुई इस मीटिंग में जिलेभर के दवा व्यापारी जुटे। सतना जिला संघ के अध्यक्ष पंडित दीनदयाल तिवारी और अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि बड़े-बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-फार्मेसी बिना किसी जांच-परख के दवाएं बेच रहे हैं। इससे न सिर्फ लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है, बल्कि नियम-कायदों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। दवा व्यापारियों का कहना है कि बड़ी कंपनियां भारी डिस्काउंट देकर बाजार बिगाड़ रही हैं।

नाली निर्माण में खुले छोड़े गए हैं सरिये, गंभीर हालत में महापौर ने अस्पताल पहुंचाया

उज्जैन में महिला के शरीर में घुसा सरिया

संवाददाता ● उज्जैन

उज्जैन में चल रहे सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण कार्य के दौरान एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। सोमवार दोपहर करीब 1:00 बजे मक्सी रोड निवासी प्रेमलता हारिया गंभीर रूप से घायल हो गईं, जब वह खोदे गए गड्ढे में संतुलन बिगड़ने से निकले हुए सरिये पर गिर गईं। सरिया उनके शरीर के आर-पार घुस गया, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ गई।

यह घटना देसाई नगर में हिमांशु शुक्ला के घर काम पर जाते समय हुई। नगर निगम द्वारा पाइपलाइन और नाली निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सरिये को काटकर महिला को बाहर निकाला गया। उसी दौरान महापौर मुकेश टटवाल भी मौके से गुजर रहे थे। उन्होंने तुरंत स्थिति संभाली और महिला को गंभीर हालत में एसएस हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सरिया महिला के शरीर में गहराई तक

घुस गया था और दिल, डायाफ्राम व आंतों के पास तक चोट पहुंचने की आशंका है। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज में जुटी है, लेकिन महिला की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है।

महापौर मुकेश टटवाल ने बताया, "मैं एक कार्यक्रम से लौट रहा था, तभी देखा कि नाली निर्माण में सरिये खुले पड़े थे। महिला का संतुलन बिगड़ा और सरिया आर-पार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया।"

सर्जन टीम सरिया निकालने में जुटी

एसएस हॉस्पिटल, उज्जैन के डॉ. सुशील गुप्ता ने जानकारी दी, "महिला के शरीर में सरिया गहराई तक घुसा था, जो हार्ट की बॉर्डर तक पहुंच सकता है। ऐसे मामलों में अंदरूनी अंगों को नुकसान का खतरा ज्यादा होता है। फिलहाल सर्जन टीम इलाज में जुटी है और स्थिति गंभीर बनी हुई है।" महिला के भतीजे निर्मल और उनके नियोक्ता मनीष शुक्ला ने भी घटना की पुष्टि की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद जताई।

होटल में शिक्षक का बैग चोरी, 50,000 रखे थे

बैंक से बच्चों की फीस के लिए निकाले थे

संवाददाता ● डिंडौरी

शहपुरा नगर में सोमवार को एक शिक्षक का बैग होटल से चोरी हो गया। बैग में 50 हजार रुपए रखे थे, जिसे एक युवक लेकर फरार हो गया। यह पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मालपुर निवासी शिक्षक सुघर बरमैया सोमवार सुबह करीब 11 बजे बैंक से 50 हजार रुपए निकालकर घर लौट रहे थे। शिक्षक ने बताया कि वे डिजिटल भुगतान का उपयोग नहीं करते और हर महीने वेतन नकद निकालते हैं। उन्होंने यह राशि अपने बेटे और बेटी की पढ़ाई के खर्च के लिए निकाली थी, जो क्रमशः डिंडोरी और जबलपुर में पढ़ रहे हैं।

होटल में पानी पीने रुके थे

बैंक से निकलने के बाद शिक्षक कुछ देर तहसील कार्यालय गए। वहां से वे पैदल रेस्ट हाउस के सामने स्थित गुप्ता होटल पहुंचे। होटल में पानी पीने के दौरान उन्होंने अपना बैग पास में रख दिया। इसी बीच, एक युवक मौका देखकर बैग उठाकर भाग निकला।

होटल संचालक के अनुसार, आरोपी युवक ने सिर पर कैप पहन रखी थी। घटना के बाद वह बाहर खड़ी काले रंग की बाइक पर बैठकर फरार हो गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी बैंक से ही शिक्षक की रेकी कर रहा था और मौका मिलते ही उसने वारदात को

अंजाम दिया।

सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड

घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। एएसआई घसीटा राम रजक ने बताया कि शिक्षक की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

शादी के नाम पर 2 लाख की ठगी, 6 आरोपी गिरफ्तार

देवास। पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का सोमवार को पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक युवक की शादी कराने का झांसा देकर उसके परिवार से 2 लाख रुपए की ठगी की थी। शादी के अगले ही दिन दुल्हन फरार हो गई थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 18 हजार 500 रुपए भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, फरियादी जानकीलाल पुवाडिया निवासी देवास ने नाहर दरवाजा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके बेटे अमन की शादी नहीं हो रही थी। इसी दौरान ईटावा, देवास निवासी अंतरसिंह ने अमन की शादी कराने का भरोसा दिलाया।

पन्ना में 'बच्चा चोर' समझ हरियाणा के श्रद्धालुओं को पीटा

पन्ना। पन्ना में 'बच्चा चोर' समझकर हरियाणा के तीन श्रद्धालुओं को लोगों ने पीट दिया। घटना रविवार की दोपहर नचने गांव स्थित चौमुखनाथ मंदिर की है। इसका वीडियो सोमवार को सामने आया। सलेहा थाना प्रभारी के अनुसार तीनों लोग अपनी कार से चौमुखनाथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। मंदिर परिसर के पास वे कुछ बच्चों से सामान्य बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों को उन पर संदेह हुआ। उन्होंने 'बच्चा चोर' होने की अफवाह फैला दी। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं की कार पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। भीड़ को हमलावर होते देख दो श्रद्धालु मौके से भागने में सफल रहे, लेकिन एक व्यक्ति भीड़ के हत्थे चढ़ गया।

---

2 करोड़ सिर्फ बिजली पोल शिफ्टिंग पर खर्च की तैयारी

रीवा में 22 से 12 मीटर रह गया रोड प्रोजेक्ट

संवाददाता ● रीवा

रीवा के सबसे व्यस्त और अहम मार्गों में शामिल अमहिया रोड का चौड़ीकरण प्रोजेक्ट एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गया है। शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से शुरू की गई योजना अब लगातार बदलते प्रस्तावों और प्रशासनिक सुस्ती के कारण विवाद का विषय बनती जा रही है। पहले सड़क को 22 मीटर चौड़ा करने की बात कही गई थी, लेकिन अब प्रस्ताव घटकर 12 मीटर तक पहुंच गया है।

सबसे बड़ी बात यह है कि अब तक सड़क चौड़ीकरण का जमीनी काम शुरू नहीं हो पाया है, जबकि बिजली पोल शिफ्टिंग पर ही करीब 1.5 से 2 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसे लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपए खर्च की तैयारी हो रही है, लेकिन सड़क की हालत जस की तस बनी हुई है।

जाम और हादसों से परेशान लोग

अमहिया रोड लंबे समय से जाम, अव्यवस्थित यातायात और सड़क हादसों की समस्या से जूझ रहा है। चौड़ीकरण की घोषणा के बाद लोगों को उम्मीद थी कि यातायात व्यवस्था सुधरेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी, लेकिन लगातार बदलते नक्शों और धीमी प्रक्रिया ने पूरे प्रोजेक्ट की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन के पास स्पष्ट कार्ययोजना नहीं है। पहले 22 मीटर, फिर 18 मीटर और अब 12 मीटर चौड़ीकरण की बात सामने आने से लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। उनका कहना है कि मामला बैठकों और कागजी कार्रवाई तक सीमित होकर रह गया है। प्रशासन अब तक यह स्पष्ट नहीं कर पाया है कि सड़क की चौड़ाई लगातार कम क्यों की जा रही है और निर्माण कार्य आखिर कब शुरू होगा। रोजाना लगने वाले जाम और दुर्घटनाओं से आम लोग लगातार परेशान हैं।

आयुक्त बोले- विभागों में समन्वय जारी

नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने बताया कि अमहिया मार्ग चौड़ीकरण को लेकर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय प्रक्रिया जारी है। बिजली पोल शिफ्टिंग और तकनीकी पहलुओं पर काम किया जा रहा है। अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरु कराया जाएगा।

मेघनगर में श्रीमद् भागवत कथा के दूसरा दिन

कथावाचक नागरजी ने दी सीख, कहा- पिता की डांट में ईश्वर जैसी दया

संवाददाता ● झाबुआ

मध्य प्रदेश के मेघनगर स्थित श्री वनेश्वर मारुति नंदन हनुमान मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का दूसरा दिन आयोजित हुआ। मालवा के प्रसिद्ध संत पंडित कमल किशोर नागर ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जीवन दर्शन और पारिवारिक मूल्यों पर प्रकाश डाला।

पंडित नागर ने विशेष रूप से पिता की डांट के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिता की डांट को कभी बुरा नहीं मानना चाहिए, क्योंकि उसमें पुत्र के लिए वैसी ही दया छिपी होती है जैसी ईश्वर की अपने भक्तों के प्रति होती है। यह डांट वास्तव में एक सुरक्षा कवच और दया दृष्टि के समान है। उन्होंने मनुष्य को अपने हर कर्म को पूजा मानकर करने की सीख दी। संत नागर ने कहा कि

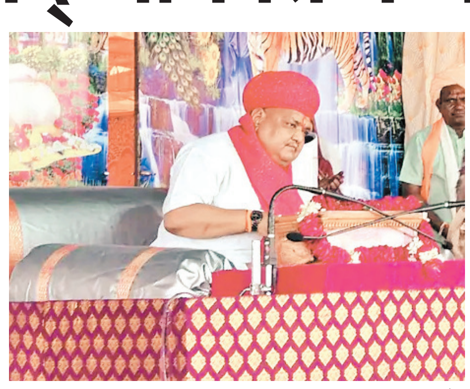

जिस प्रकार बचपन में मां की उंगली पकड़कर चलते हैं, उसी तरह जवानी में किसी संत या महात्मा का सानिध्य प्राप्त कर उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जो व्यक्ति जीवनभर संतों का हाथ थामे रहता है, मृत्यु के समय परमात्मा स्वयं उसकी उंगली पकड़ते हैं। पारिवारिक मर्यादाओं पर बल देते हुए पंडित नागर ने कहा कि हमें कभी भी माता-पिता, गुरु और गोविंद की नजरों से नहीं गिरना चाहिए। उन्होंने बहुओं को सास की सेवा करने और पुत्रों को पिता के प्रति धैर्य रखने की भी सीख दी। कथा के दौरान संत नागर ने आयोजन समिति के प्रमुख और समाजसेवी श्री सुरेश चंद्र पूरणमल जैन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैन समाज से होने के बावजूद श्री जैन जिस तरह सनातन धर्म के इतने बड़े आयोजन करवा रहे हैं, वह वंदनीय है। नागर जी ने इस पुनीत कार्य के लिए उन्हें विशेष रूप से साधुवाद दिया। इस धार्मिक आयोजन में थांदला, रायपुरिया, अलीराजपुर और रंभापुर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आयोजन समिति के सदस्यों, जिनमें सुरेश चंद्र पूरणमल जैन, सीमा जैन, राजेश रिंकू जैन और मंदिर के महंत दिलीप दास जी महाराज शामिल हैं, ने भक्तों से प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक कथा श्रवण करने और उसके बाद भंडारे में प्रसादी ग्रहण करने का आग्रह किया है।

खाद के लिए धूप में घंटों लाइन में किसान

संवाददाता ● शिवपुरी

शिवपुरी जिले के बदरवास में खाद वितरण व्यवस्था में अव्यवस्थाएं सामने आ रही हैं। किसानों को भीषण गर्मी और तेज धूप में घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। बदरवास के बीआरसी भवन पर खाद लेने पहुंचे किसानों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन द्वारा न तो छांव और न ही पीने के पानी की कोई सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

किसानों को खाद लेने के लिए पहले ऑनलाइन टोकन लेना अनिवार्य किया गया है। टोकन मिलने के बाद तय तारीख पर उन्हें खाद का भुगतान कर रसीद लेनी पड़ती है, जिसके बाद ही खाद मिल पाती है। किसानों का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को बड़ी संख्या में किसान खाद लेने बीआरसी भवन पहुंचे, जहां उन्हें तेज धूप में लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ा। किसानों का आरोप है कि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं दिख रहा है। उनका कहना है कि शुरुआती दौर में ही हालात बिगड़ने लगे हैं, जिससे आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इस मामले में कृषि विभाग बदरवास के एसएडीओ कल्लू कोली ने बताया कि फिलहाल खाद लेने आने वाले किसानों की संख्या बहुत अधिक नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में किसानों के बैठने के लिए छांव और पीने के पानी की व्यवस्था कर दी जाएगी।

मुरैना में ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे जाम किया, कार्रवाई का दिया आश्वासन

जहरीले पानी से 3 मोर और 2 गायों की मौत

संवाददाता ● मुरैना

मुरैना के बानमौर और नूराबाद औद्योगिक क्षेत्र में संचालित टायर रिफिल और तेल निकालने वाली फैक्ट्रियों का केमिकल युक्त वेस्टेज सांक और आसन नदी में छोड़े जाने का मामला सामने आया है। इससे दोनों नदियों का पानी दूषित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गर्मी में नदी का पानी पीने वाले पशु-पक्षियों की लगातार मौत हो रही है। सोमवार को भी दूषित पानी पीने से तीन मोर और दो गायों की मौत हो गई।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने मोरों के शव रखकर नेशनल हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और फैक्ट्रियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।

केमिकल वेस्टेज से दूषित हो रहीं नदियां

ग्रामीणों के अनुसार नूराबाद और बानमौर क्षेत्र में संचालित टायर से तेल निकालने वाली फैक्ट्रियों में

एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) नहीं है। फैक्ट्रियों से निकलने वाला केमिकल युक्त वेस्टेज सीधे सांक और आसन नदी में छोड़ा जा रहा है। इससे नदी का पानी लगातार दूषित होता जा रहा है। गर्मी के चलते क्षेत्र के पशु-पक्षी नदी का पानी पीकर प्यास बुझाते हैं, लेकिन दूषित पानी पीने से उनकी मौत हो रही है। सोमवार को तीन मोर और दो गाय मृत मिले।

ग्रामीण बोले- शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं

चक्का जाम में शामिल ग्रामीण योगेंद्र मावई ने बताया कि दूषित पानी से हर रोज पशु-पक्षियों की मौत हो रही है। प्रशासन से कई बार शिकायत की गई, लेकिन फैक्ट्रियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि फैक्ट्रियां लगातार केमिकल युक्त वेस्टेज नदी में छोड़ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तीन मोरों और दो गायों की मौत के बाद मजबूरी में हाईवे जाम करना पड़ा, तब जाकर प्रशासन हरकत में आया। एडीएम अश्वनी कुमार रावत ने बताया कि फैक्ट्रियों से निकलने वाले केमिकल युक्त वेस्टेज के कारण नदी का पानी दूषित होने और पशु-पक्षियों की मौत की शिकायत मिली है। पानी के सैंपल की जांच कराई जाएगी। साथ ही फैक्ट्रियों की भी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने सतर्कता जरुरी : मंत्री सारंग

पीएम के ईंधन बचाने और सोना न खरीदने के आह्वान का किया समर्थन

प्रभारी मंत्री सारंग ने ली भाजपा कोर कमेटी और मंडल अध्यक्षों की बैठक

शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार और संगठन मजबूती पर दिया जोर

खरगोन ● रविन्द्र परमार

प्रदेश सरकार के सहकारिता एवं खेल विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग सोमवार को जिले के प्रवास पर पहुंचे। मंत्री सारंग के सुबह 11 बजे डायवर्सन रोड़ स्थित सर्किट हाउस पहुंचने पर भाजपा-पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं से स्वागत- सत्कार किया। इसके बाद मंत्री सारंग ने भाजपा कोर कमेटी के साथ ही मंडल अध्यक्षों से मुलाकात कर बैठक ली। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, खरगोन-बड़वानी सांसद गजेंद्र पटेल, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, जिला पंचायत अध्यक्ष अनुबाई तंवर, खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, कसरावद विधायक सचिन बिरला शामिल रहे।

बैठक के दौरान मंत्री सारंग ने पीएम नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने, सोना न खरीदने के आह्वान का समर्थन करते हुए कहा कि एशियाई देशों में चल रहे युद्ध के चलते वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ रही है। देश की अर्थव्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता जरुरी है। ईंधन और सोना आयात होने से महंगाई बढ़ती है। यदि हम सीमित संसाधनों का उपयोग करें तो यह छोटी-छोटी बचत, मजबूत अर्थव्यवस्था बनाए रखने का माध्यम बनेगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वे महंगी शादी या फिजुलखर्ची आज से ही बंद करने का संकल्प लें। मंत्री सारंग ने बैठक में संगठन पदाधिकारियों सहित मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक में संगठनात्मक मजबूती, सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति को लेकर चर्चा की। उन्होंने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्षों ने बैठक में क्षेत्रीय समस्याओं की जानकारी देने के साथ ही संगठनात्मक चर्चा की। प्रभारी मंत्री ने मंडल अध्यक्षों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास को लेकर संकल्पित है, यदि किसी भी क्षेत्र में प्रशासनिक स्तर पर कमियां नजर आती है तो उसे दुरुस्त कर आमजन तक योजनाओं एवं सुविधाओं को पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक में संभाग प्रभारी श्री शर्मा ने आगामी 17 एवं 18 मई को शहर में होने वाले जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही विपक्ष के झूठ और भ्रामक प्रचार-प्रसार को उजागर करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। बैठक में जिला प्रभारी संगीता सोनी, जिला उपाध्यक्ष शंभू सिंह मनहर, जिला उपाध्यक्ष प्रभा राठौड़, जिला उपाध्यक्ष शालिनी रतोरिया, महामंत्री विवेक भटोरे, प्रकाश पाटीदार, महामंत्री हरेसिंह चावड़ा, पूर्वी मंडल अध्यक्ष अभिलाष अत्रे, भुपेद्र पाटीदार, अजय राठौर, रवि वर्मा पश्चिम मंडल अध्यक्ष, सोहन यादव, आशीष राठौर, प्रहलाद राठौर, बंटी राठौर सहित जिले के सभी 28 मंडलों के अध्यक्ष के साथ ही पूर्व विधायक आत्माराम पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र राठौर(दादा) दिलीप जोशी, के आर शर्मा, यशवंत यादव, आकाश गुप्ता, प्रदीप वर्मा, रवि सोनी, भूषण सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने बताया इन बैठकों में मुख्य रूप से बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों व उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मंडल ही संगठनात्मक कार्यक्रमों, अभियानों के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमुख केन्द्र है।

खरगोन में नि:शुल्क एंटी रेबीज वैक्सीनेशन कैंप, 80% डॉग्स का टीकाकरण पूरा

खरगोन ● संवाददाता

मदर्स डे के अवसर पर शहर में मातृत्व का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। 10 मई को 'कर्तव्य जीव आश्रय' संस्था द्वारा बेजुबान बच्चों यानी स्ट्रीट डॉग्स के लिए निःशुल्क हेल्थ चेकअप एवं एंटी रेबीज वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया।

संस्था की संचिता रघुवंशी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी से बचाव करना है। रेबीज इंसानों और जानवरों दोनों के लिए बेहद खतरनाक है। समय पर वैक्सीनेशन से ही इस बीमारी को रोका जा सकता है। 'कर्तव्य जीव आश्रय' द्वारा अब तक शहर के लगभग 80% स्ट्रीट डॉग्स का एंटी रेबीज वैक्सीनेशन किया जा चुका है। संस्था ने बताया कि बाकी क्षेत्रों में भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि खरगोन को रेबीज मुक्त बनाया जा सके। इस सफल अभियान को संचिता रघुवंशी, डॉ. निखिल चौहान, कुणाल पटेल, दिपांशु त्रिवेदी, सलाउद्दीन सैयद, गौतम यादव, रितु डांडीर, रोशनी एवं अन्य सदस्यों के अथक प्रयासों से पूरा किया गया। सभी सदस्यों ने घर-घर जाकर बेजुबानों को वैक्सीन लगाई और उनका हेल्थ चेकअप किया। शहरवासियों ने संस्था के इस नेक कार्य की सराहना की है। लोगों का कहना है कि मदर्स डे पर बेजुबानों की मां बनकर संस्था ने समाज के सामने सेवा की मिसाल पेश की है।

सैनिक सम्मान एवं जनसेवा संकल्प कार्यक्रम सम्पन्न

खरगोन ● संवाददाता

जिले के ग्राम राजपुरा स्थित श्री रेणुका माता मंदिर परिसर में आज पूर्व सैनिक कमलेश पटेल फौजी द्वारा भव्य आयोजन किया गया। भारतीय सेना से सेवा निवृत्त होकर गांव लौटे कमलेश पटेल फौजी ने ग्रामीणों के प्रति अपने स्नेह और सम्मान स्वरूप गांववासियों को टी-शर्ट एवं कैप भेंट की। कार्यक्रम में राजपुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और सभी ने एकता एवं सामाजिक सहयोग का संदेश दिया।

इस अवसर पर कमलेश पटेल फौजी ने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने देश की सेवा की है, उसी तरह अब वे अपने गांव एवं क्षेत्र की सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य ग्राम राजपुरा को एक आदर्श एवं मॉडल गांव बनाना है, जिसकी पहचान पूरे देश-दुनिया में अलग रूप में हो।

कार्यक्रम में नागझिरी निवासी रूपेश भाई ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। मीडिया प्रभारी देवीसिंह धानसे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन से गांव में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत होगी तथा गांव की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए पंचायत कर्मियों एवं अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान गांव में स्वच्छता अभियान चलाने, शराब एवं नशा मुक्ति, अवैध खनन तथा अन्य गलत गतिविधियों को बंद करवाने का संकल्प भी लिया गया। ग्रामीणों ने भी गांव के विकास एवं सामाजिक सुधार के लिए एकजुट होकर कार्य करने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने कमलेश पटेल फौजी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता एवं भाईचारे को मजबूत करते हैं।

मोदी की सलाह पर पहले भाजपा के नेता अमल करें : रवि नाईक

भाजपा के मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद , विधायक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करे, विदेश यात्रा रोके साथ ही अपने खेतों में खाद का उपयोग बंद करें, फिर जनता को सलाह दे : रवि नाईक

खरगोन ● संवाददाता

पिछले कई वर्षों से देश को विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बताने वाले डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्मार्ट सिटी, विश्व गुरु, बुलेट ट्रेन पर भाषण पिलाने वाले देश के प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल में आकर के अब जनता को पेट्रोल डीजल बचाने, सोना नहीं खरीदने, विदेश यात्रा न करने, किसानों को कम खाद प्रयोग करने जैसी सलाह दे रहे हैं।

इस पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री की सलाह पहले भाजपा के मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद,विधायक और उसके नेता अमल करें। वह अपनी गाड़ियों का काफिले छोड़कर सार्वजनिक परिवहन जैसे बसों में मेट्रो में सफर करें। अपनी विदेश यात्राएं रद्द करें। देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सबसे पहले अपने खेतों में खाद का उपयोग बंद करे और ऐसा ही भाजपा के तमाम विधायक, सांसद,नेता जो अपने आप को किसान कहते हैं वह भी अपने-अपने खेत में रासायनिक खाद का उपयोग बंद करें। तब जनता को सलाह दे। उन्होंने आगे कहा कि हकीकत यह है कि प्रधानमंत्री कोविड में थाली बजाने को कहते है। अब फिर जनता को उपदेश दे रहे है। वास्तविकता ये है कि मोदी सरकार की गलत नीतियों की सजा जनता महंगाई, बेरोजगारी के साथ साथ किसान भुगत रहे है। सिर्फ भाजपा नेताओं के भाषणों में बयानो में ही देश समृद्ध है जबकि जनता बुरी तरह परेशान है। मोदी जी को चाहिए कि यदि उनसे देश नहीं संभल रहा है तो तत्काल कुर्सी छोड़े या देश के मुंह बाए खड़ी इन समस्याओं का निराकरण करे।

भोपाल के डेम में मिली मूकबधिर युवक की लाश

पिता बोले- हत्या कर शव फेंका गया, बॉडी पर चोटों के निशान हैं

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल के हथाईखेड़ा डेम में सोमवार सुबह एक युवक की लाश मिली। मृतक की पहचान 28 वर्षीय अमित विश्वकर्मा के रूप में हुई है। वह इंदौर में होटल में नौकरी करता था और मूकबधिर था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इंदौर में करता था नौकरी अमित विश्वकर्मा पिता शिवरत्न विश्वकर्मा, इंदौर के संजीव नगर का रहने वाला था। वह बचपन से बोल नहीं पाता था और इंदौर के एक होटल में काम करता था। 15 दिन पहले आया था पिता से मिलने परिजनों के अनुसार अमित करीब 15 दिन पहले पिता से मिलने आया था। इसके बाद वह वापस इंदौर लौट गया था। शनिवार को हुई थी आखिरी बार बात मृतक के पिता शिवरत्न ने बताया कि शनिवार को वीडियो कॉल पर बेटे से आखिरी बार बात हुई थी। उस दौरान वह सामान्य लग रहा था और किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था।

भोपाल कब पहुंचा, परिजनों को जानकारी नहीं परिवार को यह जानकारी नहीं है कि अमित भोपाल कब और कैसे पहुंचा। सोमवार सुबह पुलिस ने कॉल कर शव मिलने की सूचना दी।

पिता ने जताई हत्या की आशंका

पिता का कहना है कि अमित आत्महत्या नहीं कर सकता था। उसकी एक आंख के पास चोट का निशान है, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक शव के साथ अमित के दोनों मोबाइल फोन नहीं मिले हैं। उन्होंने मामले की गहराई से जांच की मांग की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

101 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को मिले रुस्तमजी अवार्ड

जिले में पुलिसकर्मी ले सकेंगे आवास, सीएम बोले- हाउसिंग बोर्ड, प्राधिकरणों से मैं बात करूंगा

भोपाल ● संवाददाता

भोपाल के रविंद्र भवन में सोमवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने केएफ रूस्तमजी पुरस्कार से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अलंकृत किया गया। यह सम्मान साल 2019-20 और 2021-22 की अवधि में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है।

पुलिस के 101 अधिकारियों और कर्मचारियों को CM डॉ मोहन यादव ने डीजीपी कैलाश मकवाना के साथ सम्मानित किया। इस दौरान मंच पर एडीजी चंचल शेखर, आदर्श कटियार मौजूद थे। इस दौरान सीएम ने कहा- पुलिस के जवानों को जिले के अंदर जहां उनकी पात्रता है, अगर वो आवास लेना चाहे तो वहां हाउसिंग बोर्ड, प्राधिकरण से मैं बात करने वाला हूं कि हमारे जवानों को भी आवास दीजिए। उनकी चिंता करना हमारी सरकार की आवश्यकता है।

2013 से शुरू हुआ रुस्तमजी पुलिस अवार्ड

समारोह को संबोधित करते हुए डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा-2013 से स्थापित रुस्तम जी पुरुस्कार जो हमारे 101 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को दिया जाएगा। यह पुरुस्कार 2019-20 और 2021-22 के दिए जा रहे हैं। शासन की स्वीकृतियों के बाद बजट और लायसेंस बनाने की प्रक्रिया भी पालन कराई गई। जब से यह पुरुस्कार शुरू हुआ है। उसके बाद 418 पुलिस अधिकारियों को आज तक पुरुस्कृत किया जा चुका है। इनमें दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियान, दंगे या तनाव रोकने, कानून व्यवस्था की गंभीर परिस्थितियों को नियंत्रण करने में वीरता के प्रदर्शन और व्यवसायिक दक्षता के प्रदर्शन में यह पुरुस्कार दिए जाते हैं।

तीन श्रेणियों में यह पुरुस्कार दिए गए

परम विशिष्ट श्रेणी में पांच लाख रुपए या हथियार दिया जाएगा। इस श्रेणी में 7 अधिकारी सम्मानित किए जा रहे हैं। अति विशिष्ट जिसमें दो लाख रुपए या हथियार दिया जाएगा। इसमें आठ पुरुस्कार दिए जा रहे हैं। विशिष्ट श्रेणी में 50 हजार रुपए अधिकारी को बतौर सम्मान दिए गए। इस श्रेणी के 86 अधिकारी सम्मानित किए जा रहे हैं।

सीएम बोले- सम्मान कर गर्व महसूस हो रहा

समारोह में मौजूद पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चूंकि गृह विभाग उनके पास है, इसलिए उनका मन भी ऊंचाइयों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सभी ने जो साहस दिखाया है और जिस दिन उन्होंने पुलिस में भर्ती होकर मेहनत की थी, उसका आज सम्मान करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले दो साल के पुरस्कार दिए जाते थे, अब कोशिश की जाएगी कि हर साल पुरस्कार दिए जाएं ताकि पेंडिंग न रहें। क्योंकि कुछ लोगों को रिटायरमेंट के बाद पुरस्कार मिला है, जिससे उनके मन में यह कसक रह सकती है कि यह सम्मान सेवा के दौरान मिलना चाहिए था।

'हमारी पुलिस हर चुनौती से निपटने का सक्षम'

सीएम ने कहा कि रुस्तमजी अद्भुत व्यक्तित्व के धनी रहे हैं। उस दौर में जब मध्यप्रदेश कई राज्यों में बंटा हुआ था, तब हर जिले में पुलिस लाइन सहित तमाम व्यवस्थाओं को मजबूत करने में उनका योगदान रहा। उन्होंने कहा कि पुलिस ने डकैतों को समाप्त कर देश को संदेश दिया है कि हमारी पुलिस हर चुनौती से निपटने में सक्षम है, जैसे इस साल नक्सलवाद से निपटकर गौरव की अनुभूति हुई है। सीएम ने कहा कि इतने बड़े भौगोलिक क्षेत्र और चुनौतियों के बावजूद कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की बड़ी भूमिका है। उन्होंने बताया कि अब डीजी से नीचे तक के अधिकारियों को पुरस्कार देने की सीमा बढ़ा दी गई है, जिससे डीजी अब 25 हजार की जगह 50 हजार तक का पुरस्कार दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में नवाचार और परंपरा में बदलाव के लिए सरकार पूरी तरह सहयोग के लिए तैयार है।

'पहले पुलिस को था ज्यादा खतरा'

सीएम ने 1992 का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय पुलिस पर खतरा अधिक था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हथियार और आतंक से संविधान और कानून को डराना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि 2026 में पुलिस में 10 हजार भर्ती की जाएगी, जिसमें सब इंस्पेक्टर से लेकर अन्य पद शामिल होंगे। इसके बाद करीब 5-6 हजार पद ही शेष रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिला पुलिस बल में पुलिस बैंड की भर्ती निकाली गई है और जवानों के आवास की व्यवस्था के लिए हाउसिंग बोर्ड और प्राधिकरण से बातचीत कर उन्हें आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

पिता के डीएसपी बनने और नौकरी छोड़ने का किस्सा सुनाया

डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा बचपन ने मैंने सुना है, खुसरो फरामोज रुस्तमजी जिन्हें केएफ रुस्तमजी के नाम से जाना जाता है। डीजीपी ने एक वाकिया सुनाया और कहा 1968 बैच में मेरे पिता डीएसपी में चयनित हुए थे। उसके 7 साल पहले रुस्तम जी 1958 से 1965 तक प्रदेश के दूसरे पुलिस मुखिया रहे हैं। उन्होंने मप्र पुलिस में कई परंपराएं स्थापित करने में योगदान दिया। मेरे पिता के बैचमेट रघुवंशी, आरके त्रिपाठी जो एडीजी से रिटायर हुए। चार डीएसपी चयनित हुए थे और ट्रेनिंग के दौरान पिताजी जब रतलाम से आ रहे थे तो बाजना की घाटी में बस ड्राइवर ने शराब के नशे में था उसने एक्सीडेंट कर दिया।

संपादकीय

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दयनीय स्थिति में

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले ढाई महीनों में तेजी से घटकर लगभग 550 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार और रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। इसी के सहारे आयात, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान और मुद्रा विनिमय दर को स्थिर रखने में होता है। इसका असर आयात और निर्यात दोनों पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच जब युद्ध चल रहा है, ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में अस्थिरता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर की मजबूती के कारण भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट भारत की अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर संकट का संकेत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 85 फ़ीसद हिस्से का आयात करता है। खाद भी बड़े पैमाने पर भारत को आयात करनी होती है। पेट्रोलियम, खाद और गैस के आयात में भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी सरकार और रिजर्व बैंक को वैकल्पिक उपायों पर विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं। इसी क्रम में डॉलर बॉन्ड जारी करने की योजना सामने आई है। विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) को बांड बेचकर सरकार डॉलर का भंडार बढ़ाना चाहती है। यह योजना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए अल्पकालिक राहत देने वाली होगी। एनआरआई निवेशकों से डॉलर प्राप्त कर सरकार विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने का प्रयास करेगी। इससे तत्काल डॉलर की उपलब्धता बढ़ सकती है। रुपये पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। भारत वित्तीय स्थिति को तत्काल नियंत्रित करने में सफल हो सकता है। लेकिन आगे चलकर अर्थव्यवस्था में दोहरा दबाव भी पड़ सकता है। इस योजना के साथ कई जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा खतरा विनिमय दर का है। पिछले कुछ वर्षों में डॉलर, लगातार रुपये के मुकाबले मजबूत हुआ है। भविष्य में रुपये की कमजोरी जारी रहती है, तो सरकार को बॉन्ड का भुगतान मांग के अनुसार करने पर ज्यादा डॉलर भुगतान करना पड़ेगें। इसमें सरकार को केवल ब्याज ही नहीं, बल्कि विनिमय दर मे भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह स्थिति भविष्य में वित्तीय दबाव को और बढ़ा सकती है। विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए केवल उधारी आधारित समाधान लंबे समय तक प्रभावी नहीं हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है, भारत को निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में ज्यादा ध्यान देना होगा। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार, निर्यात बढ़ाने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने की दिशा में दीर्घकालीन ठोस कदम उठाने जरूरी हैं।

सरकार और रिजर्व बैंक को समझना होगा, विदेशी मुद्रा भंडार केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह देश के आयात-निर्यात भुगतान के संतुलन तथा आर्थिक विश्वसनीयता का प्रतीक है। यदि विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है तो उसे संभालने के लिए बार-बार बाहरी संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इसलिए डॉलर बॉन्ड तत्काल मलहम का काम कर सकता है। यह स्थायी समाधान नहीं है। भारत को अपनी आर्थिक नीतियों को बेहतर एवं मजबूत बनाना होगा। विदेशी मुद्रा भंडार आयात-निर्यात भुगतान संतुलन एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा का भंडार होना ही चाहिए। पिछले कुछ महीनों से जिस तरह से देश को अर्थ संकट का सामना कर रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है। विदेशी निवेशक भारत से भाग रहे हैं। निर्यात की तुलना में आयात लगातार बढ़ रहा है। भारत सरकार के ऊपर देसी और विदेशी कर्ज बढ़ता जा रहा है। रुपए के मुकाबले डॉलर की कीमत तेजी से बढ़ रही है। इस दिशा में गंभीरता के साथ सरकार के अर्थ विशेषज्ञों और रिजर्व बैंक को जवाबदेही के साथ जिम्मेदारी का निर्वाह करना होगा, अन्यथा स्थिति कभी भी भयावह हो सकती है।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

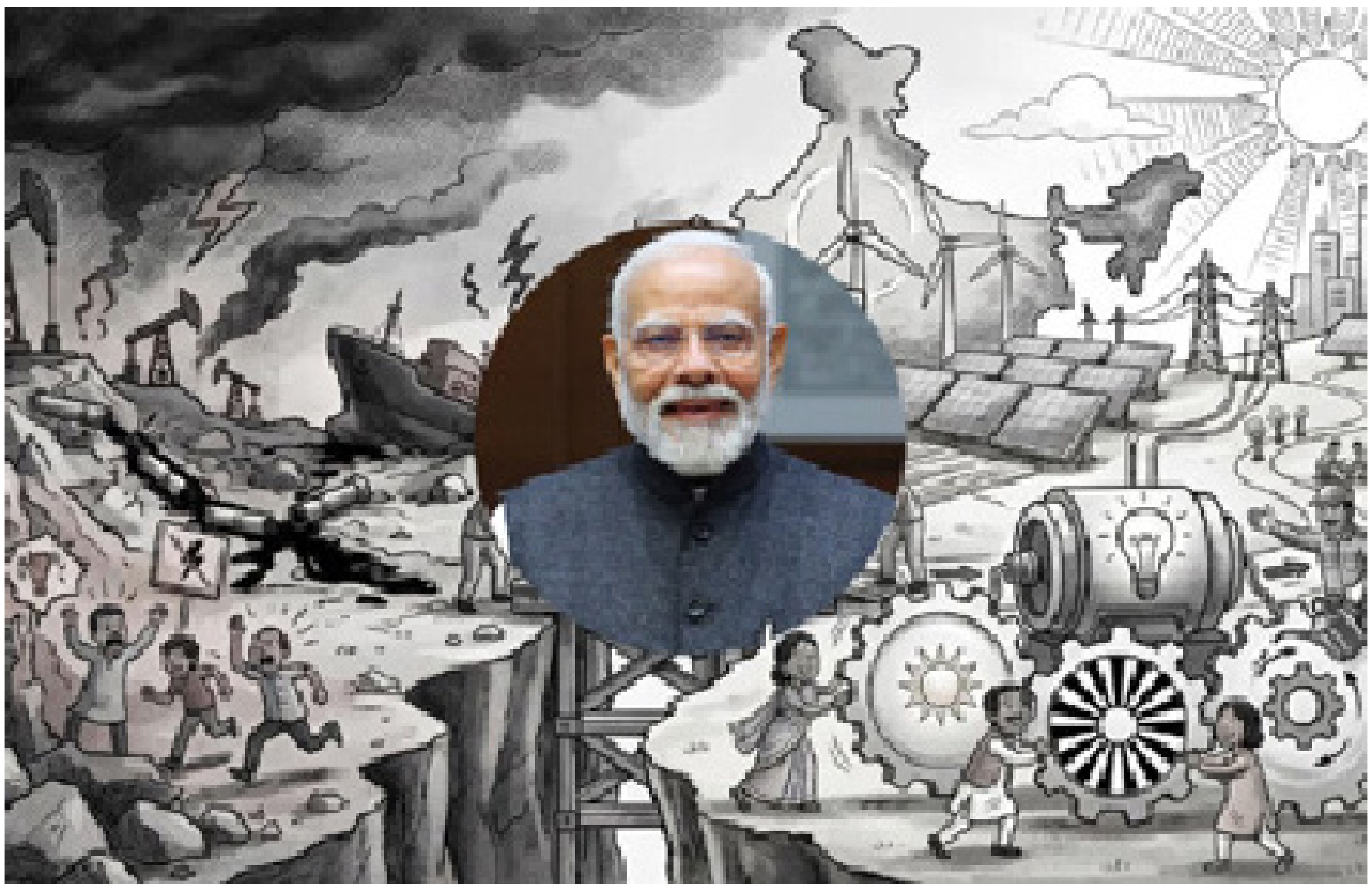

इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था,

लेखक - डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ।ऽ भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है।

प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता।

लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है।

इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कत्र्तव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैशिवक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

लेखिका- योगेश कुमार गोयल

सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके।

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

'बंदर में बॉबी के लुक की जमकर तारीफ की सनी देओल ने

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बंदर का टीजर साझा करते हुए छोटे भाई बॉबी देओल की जमकर तारीफ की। सनी ने पोस्ट के साथ लिखा, 'लुकिंग सो गुड माय लॉर्ड बॉबी। सनी देओल का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस भी दोनों भाइयों के बीच के प्यार को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं सनी देओल के बेटे और अभिनेता करण देओल ने भी अपने चाचा बॉबी देओल के अभिनय और लुक की तारीफ की। करण ने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर करते हुए लिखा, 'वाह! 'बंदर का बेसब्री से इंतजार है।

बॉबी चाचा, आप कमाल लग रहे हो। करण की इस प्रतिक्रिया ने भी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। फिल्म 'एनिमल की सफलता के बाद बॉबी देओल लगातार डार्क और इंटेंस किरदारों में नजर आ रहे हैं। 'बंदर में भी उनका एक अलग और रहस्यमयी अंदाज देखने को मिल रहा है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत बेहद मनोरंजक माहौल के साथ होती है, जिसमें बॉबी देओल समीर मेहरा नाम के किरदार में दिखाई देते हैं। उनका लुक 70 के दशक के डिस्को स्टार जैसा नजर आता है और वह मंच पर परफॉर्म करते दिखाई देते हैं। हालांकि कुछ ही देर में कहानी अचानक रहस्य और तनाव से भर जाती है। टीजर में दिखाया गया है कि समीर मेहरा एक डेटिंग ऐप के जरिए कुछ लड़कियों से मिलता है। शुरुआत में सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मुलाकातें उसकी जिंदगी में बड़ी परेशानी खड़ी कर देती हैं। वह कानूनी विवादों में फंस जाता है और टीजर में उसकी गिरफ्तारी भी दिखाई गई है। फिल्म की कहानी आगे बढऩे के साथ रहस्य, मनोवैज्ञानिक तनाव और सस्पेंस से भरती जाती है। हर दृश्य दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाता है। फिल्म में बॉबी देओल के साथ सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोसले भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है, जबकि निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है। 'बंदर का निर्माण निखिल द्विवेदी की सैफ्रॉन मैजिकवर्क्स ने किया है और इसे जी स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म 5 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि अभिनेता बॉबी देओल अपनी आगामी फिल्म 'बंदर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इसकी जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक हर कोई बॉबी देओल के नए और दमदार अवतार की सराहना करता नजर आ रहा है।

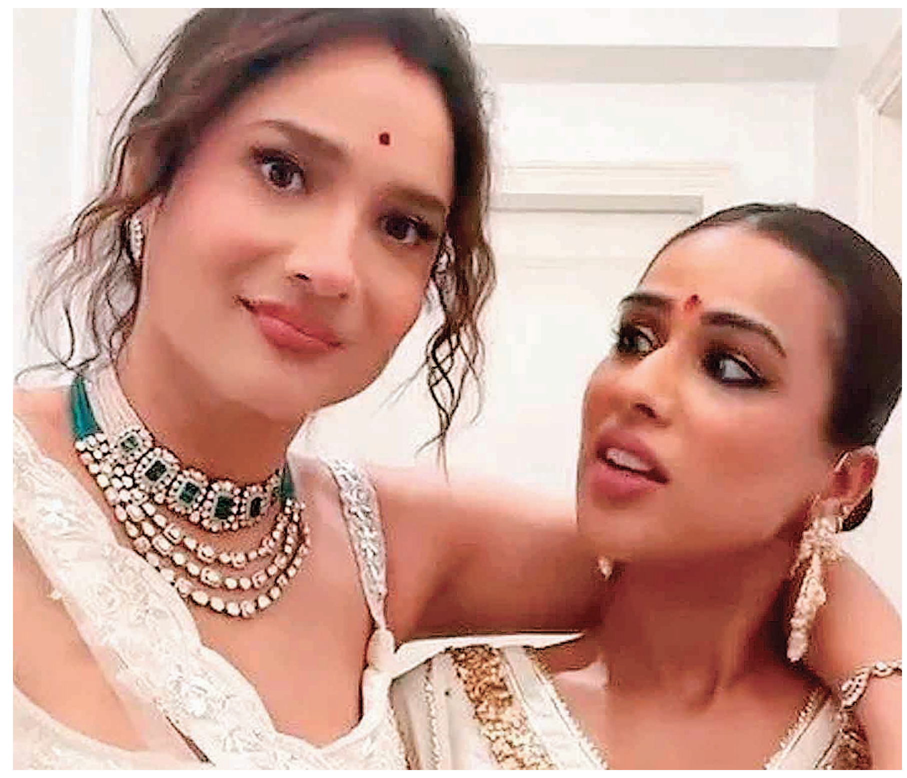

निया शर्मा और अंकिता लोखंडे ने जताया मां के प्रति सम्मान

चर्चित अभिनेत्रियां निया शर्मा और अंकिता लोखंडे ने इन दिनों कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट का हिस्सा हैं। दोनों अभिनेत्रियों ने 'मदर्स डे के मौके पर अपनी माताओं के प्रति गहरा प्रेम और आभार व्यक्त किया है। अपने बोल्ड अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व के लिए मशहूर निया शर्मा ने कहा कि उनका निडर स्वभाव उन्हें अपनी मां से विरासत में मिला है। निया के अनुसार उन्होंने अपनी मां को हमेशा मुश्किल परिस्थितियों का मजबूती से सामना करते देखा है और उसी साहस ने उनके आत्मविश्वास की नींव रखी। उन्होंने कहा कि उनकी मां ने उन्हें जिंदगी में हर परिस्थिति से बिना डरे लडऩा सिखाया है। निया ने अपनी मां से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार परिवार के साथ यात्रा के दौरान उनकी मां 'हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बस में कहीं नजर नहीं आ रही थीं। पूरा परिवार घबरा गया और उन्हें ढूंढऩे के लिए हर जगह तलाश शुरू कर दी गई। काफी देर बाद पता चला कि उनकी मां बस की छत पर आराम से बैठकर शहर के वीडियो बना रही थीं। निया ने हंसते हुए कहा कि उनकी मां हर तनावपूर्ण स्थिति को भी यादगार पल में बदल देती हैं। वहीं अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने खुद को बेहद भाग्यशाली बताते हुए कहा कि उनके जीवन में दो मां हैं। उन्होंने कहा कि एक मां ने उन्हें जन्म दिया, जबकि दूसरी यानी उनकी सास ने उन्हें बेटी की तरह अपनाकर नया परिवार और बिना शर्त प्यार दिया। अंकिता ने कहा कि उनकी दोनों मां उनके जीवन की सबसे बड़ी ताकत और सहारा हैं। अंकिता ने भावुक होते हुए कहा कि वह हर दिन अपनी दोनों माताओं के लिए आभार महसूस करती हैं। उनके अनुसार उनकी दुआएं ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनकी खुशी उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए बेहद खास बात है कि उन्हें अपनी दोनों मां का प्यार और आशीर्वाद मिला है।

अक्षय ने केरल शेड्यूल पूरा करने के बाद करवाई सर्जरी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बावजूद हाल ही में आंख की सर्जरी करवाई है। इस काम के लिए अभिनेता ने छोटा ब्रेक लिया। रिपोर्ट्र्स के मुताबिक, अभिनेता ने यह सर्जरी केरल में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद करवाई। इस फिल्म में उनके साथ विद्या बालन और राशि खन्ना भी नजर आने वाली हैं।

बताया जा रहा है कि यह एक मामूली सर्जरी थी, जो दृष्टि सुधार यानी विजन करेक्शन के लिए की गई। सर्जरी 6 मई की सुबह हुई और अब अभिनेता कुछ समय आराम करेंगे।सूत्रों के अनुसार, अक्षय कुमार ने अपने केरल शेड्यूल को पूरा करने के बाद ही सर्जरी का फैसला लिया ताकि शूटिंग पर असर न पड़े। अभिनेता लंबे समय से लगातार फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए आराम करने का निर्णय लिया। सर्जरी से ठीक एक दिन पहले अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी शूटिंग पूरी होने की जानकारी साझा की थी। उन्होंने लिखा कि केरल में शानदार लोगों के साथ खूबसूरत लोकेशन पर काम करना बेहतरीन अनुभव रहा। अभिनेता ने निर्देशक अनीस बज्मी, सह-कलाकार विद्या बालन, राशि खन्ना, राजपाल यादव और पूरी टीम का धन्यवाद भी किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास रही है। अक्षय कुमार इन दिनों अपने अनुशासित जीवनशैली को लेकर भी सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में एक टीवी शो में उन्होंने खुलासा किया था कि उन्होंने पिछले 15 वर्षों से समोसा नहीं खाया है। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि अगर कोई समोसा नहीं खाता तो इसका मतलब यह नहीं कि वह कुछ गलत कर रहा है। अभिनेता सौरभ शुक्ला ने भी अक्षय कुमार की खानपान की आदतों की तारीफ की। एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा कि अक्षय सीमित मात्रा में बेहद साधारण और पारंपरिक भारतीय खाना खाते हैं। उनके अनुसार, अभिनेता अपनी फिटनेस और दिनचर्या को लेकर काफी अनुशासित हैं।

'इंस्पेक्टर अविनाश 2 को लेकर उत्साहित है रणदीप हुड्डा

अपनी चर्चित वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर अभिनेता रणदीप हुड्डा काफी उत्साहित हैं। अभिनेता रणदीप अब एक बार फिर इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा के किरदार में नजर आने वाले हैं। रणदीप हुड्डा ने नए सीजन को लेकर कहा कि इस बार अविनाश का किरदार और भी मजबूत और गहराई से दर्शकों के सामने आएगा। इस बार कहानी पहले से ज्यादा एक्शन, इमोशन और रोमांच से भरपूर होने वाली है। उन्होंने बताया कि अविनाश अब सिर्फ अपराधियों से लड़ाई नहीं लड़ रहा है, बल्कि अपने परिवार, अपनी सच्चाई और अपने अस्तित्व को बचाने की जंग भी लड़ रहा है। अभिनेता के मुताबिक, इस बार कहानी का दायरा बड़ा है, एक्शन ज्यादा वास्तविक है और भावनात्मक संघर्ष भी पहले से कहीं ज्यादा गहरा है। सीरीज में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने शो के बारे में बात करते हुए कहा कि 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, बेबाक और धमाकेदार है। उर्वशी ने कहा कि इस कहानी का हिस्सा बनना उनके लिए शानदार अनुभव रहा। उनके अनुसार, हर दृश्य को अलग अंदाज और खास स्तर पर तैयार किया गया है, जिससे दर्शकों को भरपूर रोमांच और ड्रामा देखने को मिलेगा। सीरीज के निर्देशक नीरज पाठक ने बताया कि दूसरे सीजन में पहले भाग की सभी पसंदीदा चीजों को और बड़े पैमाने पर पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार अविनाश सिर्फ अपराधियों से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से भी लड़ता नजर आएगा, जो उसके आसपास धीरे-धीरे टूट रही है। निर्देशक के मुताबिक, कहानी में बाहरी संघर्ष के साथ-साथ निजी लड़ाई को भी गहराई से दिखाया गया है। यह क्राइम थ्रिलर 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है। कहानी में इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा खुद को ऐसे हालात में फंसा पाते हैं, जो उनके निजी और पेशेवर जीवन को पूरी तरह बदल देते हैं। बेटे के हत्या मामले में फंसने और शादी टूटने की स्थिति तक पहुंचने के बाद अविनाश को अपने जीवन की सबसे कठिन लड़ाई लडऩी पड़ती है। दूसरे सीजन में रणदीप हुड्डा और उर्वशी रौतेला के अलावा अमित सियाल, अभिमन्यु सिंह, रजनीश दुग्गल, शालिन भनोट और फ्रेडी दारूवाला भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। जियो स्टूडियोज प्रस्तुत इस सीरीज का निर्माण ज्योति देशपांडे, नीरज पाठक, गोल्ड माउंटेन पिक्चर्स और कृष्ण चौधरी ने किया है।

म्यूजिकल ट्रायंगल लव स्टोरी के रूप में चर्चा में 'साइकिल गैप

भारतीय दर्शक अब ऐसी फिल्मों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिनमें संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम न होकर कहानी और किरदारों की भावनाओं का अहम हिस्सा बने। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक एम आर भारती इसी सोच के साथ अपनी नई फिल्म 'साइकिल गैप लेकर आ रहे हैं, जो एक म्यूजिकल ट्रायंगल लव स्टोरी के रूप में चर्चा में बनी हुई है। निर्देशक एम आर भारती ने फिल्म को लेकर कहा कि 'साइकिल गैप एक ऐसी रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म है, जिसमें संगीत कहानी की आत्मा की तरह काम करेगा। उनका मानना है कि कई बार इंसान अपनी भावनाओं को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाता, लेकिन संगीत उन एहसासों को बेहद सहज तरीके से सामने ले आता है। यही वजह है कि फिल्म में गानों और बैकग्राउंड म्यूजिक को बेहद खास महत्व दिया गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म को आधुनिक युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, लेकिन इसके साथ ही इसमें पुराने दौर की क्लासिक म्यूजिकल रोमांस फिल्मों की भावनात्मक गहराई और खूबसूरती को भी बरकरार रखने की कोशिश की गई है। एम आर भारती इससे पहले भी अपनी फिल्मों में संवेदनशील और भावनात्मक कहानियों के लिए पहचाने जाते रहे हैं। उनकी फिल्म 'अझियाधा कोलांगल 2 को दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिली थी, जबकि हालिया फिल्म 'ड्रीम गर्ल ने प्यार, यादों और सपनों जैसे विषयों को अनोखे अंदाज में पेश कर लोगों का ध्यान खींचा था। फिल्म के निर्माता और मुख्य अभिनेता नवाज ने भी 'साइकिल गैप को लेकर उत्साह जताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से ऐसी म्यूजिकल लव स्टोरी पसंद रही हैं, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बनी रहें। उन्होंने कहा कि इस फिल्म को भी उसी भावना के साथ बनाया गया है ताकि इसके किरदार और संगीत लोगों के जेहन में लंबे समय तक अपनी जगह बनाए रखें। नवाज ने कहा कि निर्देशक एम आर भारती की कहानियों में गहरी भावनाएं और रिश्तों की सच्चाई देखने को मिलती है। फिल्म में नवाज के साथ शेरी अग्रवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जो इस फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रख रही हैं। वहीं अभिनेता प्रभु शास्ता भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

न्यूज ब्रीफ

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

लंदन। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाडि ों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नॉटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपॉल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं। वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकॉक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदों में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में में 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये। इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाडि ों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती हैं कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे 15 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य का सितारा है। अश्विन ने ये भी कहा कि वह इस युवा को तीनो प्रारुपों में खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना करते हुए कहा, वह जिस प्राकर से सभी गेंदबाजों को निशाना बनाता है। उससे साफ है कि वह निडर है और किसी भी गेंदबाज को खेल सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैभव में टेस्ट क्रिकेट खेलने की भी क्षमताएं हैं। अश्विन ने कहा, उसे टेस्ट में जगह मिलेगी तो प्रशंसक स्वयं मैच देखने आएंगे क्योंकि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। उन्होंने वैभव के अंडर-19 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उसमें गेंद को पूरी ताकता से खेलने की क्षमताएं हैं। वहीं ये भी माना कि इतनी कम उम्र में वैभव पर जरुरत से अधिक दबाव न डाला जाये। अश्विन ने कहा कि उन्हें खुलकर क्रिकेट खेलने देना चाहिए। साथ ही कहा कि क्रिकेट करियर में बहुत कम मौके आते हैं जब आप बिना किसी दबाव के खेल का आनंद लेते हैं। वह अभी सिर्फ 15 साल का है। हमें उसे उसी तरह खेलने देना चाहिए।, अश्विन ने साथ ही कहा कि अभी उससे ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, जो उनके करियर की शुरुआत में जरुरी नहीं हैं। इस दिग्गज स्पिनर के अनुसार रॉयल्स के पास कई अनुभवी बल्लेबाज मौजूद हैं, इसलिए वैभव पर अकेले ही टीम की पूरी जिम्मेदार न डाली जाये। साथ ही कहा कि ध्रुव जुरेल, रियान पराग और डोनोवन फरेरा जैसे अनुभवी खिलाडि ों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। अश्विन का मानना है कि अगर वैभव टीम को अच्छी शुरुआत दिलाता है, तो राजस्थान को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिये। वैभव ने इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है।

अक्षर-मिलर के अर्द्धशतकों से दिल्ली के प्लेऑफ की उम्मीद जिंदा, पंजाब को 3 विकेट से हराया

धर्मशाला ● एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 55वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट से जीत हासिल की. यह दिल्ली कैपिटल्स का आईपीएल में दूसरा सबसे सफल रन चेज रहा. पंजाब से मिले लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली ने 33 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे. लेकिन फिर ट्रिस्टन स्टब्स और कप्तान अक्षर पटेल ने चौथे विकेट के लिए 23 गेंदों में 41 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला.

ट्रिस्टन स्टब्स 17 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अक्षर ने डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 गेंदों में 64 रन जोड़कर टीम को 138 के स्कोर तक पहुंचाया. कप्तान अक्षर 30 गेंदों में 2 छक्कों और 8 चौकों के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए. यहां से डेविड मिलर ने मोर्चा संभाला. उन्होंने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन बनाए, जबकि आशुतोष ने 10 गेंदों में 24 रन की तूफानी पारी खेली. इससे पहले, श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्य के अर्द्धशतकों के दम पर पंजाब किंग्स ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में आईपीएल 2026 के 55वें मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाए. दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पंजाब किंग्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. प्रियांश आर्य ने प्रभसिमरन सिंह के साथ मिलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई. इन सलामी बल्लेबाजों ने 41 गेंदों में 78 रन की साझेदारी की. प्रभसिमरन 15 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे. उनकी इस पारी में 3 चौके शामिल रहे. इसके बाद टीम को प्रियांश आर्य के रूप में दूसरा झटका लगा, जिन्होंने 33 गेंदों में 6 छक्कों और 2 चौकों के साथ 56 रन बनाए. पंजाब किंग्स ने 97 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया था. यहां से कूपर कोनोली ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 83 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया. कूपर कोनोली 27 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे.

विराट के कारण बदली मेरे जिंदगी : जर्मन व्लॉगर लिजलैज

बर्लिन ● एजेंसी

जर्मनी की व्लॉगर और सोशल मीडिया इंफूएंसर लिजलैज ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के कारण उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। विराट ने हाल ही में लिजलैज की एक तस्वीर को लाइक किया था हालांकि, उन्होंने कुछ ही मिनटों में इस तस्वीर को अनलाइक भी कर दिया था पर इतनी देर में ही विराट के इसे लाइक करने की बात फैल गयी थी। इसका स्क्रीनशॉट वायरल सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लिजलैज के नाम की धूम मच गयी। इसी के बाद व्लॉगर लिजलैज का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने विराट के तस्वीर को लाइक करने के बाद अपनी जिंदगी में आए भारी बदलावों के बारे में बताया है। लिजलैज ने कहा कि यह घटना उनके लिए बहुत ही अजीब थी। उन्होंने कहा, जैसे ही विराट ने मेरी तस्वीर लाइक की, मुझे कई लोगों से संदेश मिलने लगे। कई बड़े ब्रांड्स ने मुझे साझेदारी के भी प्रस्ताव देने शुरु कर दिये। मुझे कई वीडियो प्रोजेक्ट्स के प्रस्ताव मिले और कई रियलिटी शो में शामिल होने के लिए भी मुझसे संपर्क किया गया। कई लोगों ने मुझसे अपने साथ काम करने के लिए भी पूछा। इस घटना के बाद, लिजलैज ने कहा यह बहुत अजीब था क्योंकि मैं सुबह उठी और मैंने देखा कि मैं हर जगह खबरों में थी। मुझे तो पता ही नहीं चला कि विराट ने कब मेरी तस्वीर को लाइक किया था, मुझे तो इस घटना के बारे में खबरों के जरिए ही पता चला। बहुत सारे लोगों ने मेरे बारे में अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर छपी खबरें ढूंढीं और मुझे सीधे मेरे संदेश भैजे। उस दिन मुझे सैकड़ों मैसेज मिले, लोग इस बात को लेकर बहुत उत्साहित थे। वहीं जब लिजलैज से कोहली द्वारा बाद में पोस्ट को अनलाइक करने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मुझे उनके लिए थोड़ा बुरा लगा! उन्होंने साथ ही कहा, मैं बहुत खुश थी कि उन्होंने मेरी तस्वीर को लाइक किया, लेकिन फिर जब उन्होंने इसे अनलाइक किया, तो मुझे उनके लिए थोड़ा बुरा महसूस हुआ, क्योंकि मुझे समझ नहीं आया कि यह इतनी बड़ी खबर कैसे बन गई। इस बात ने मुझे काफी हैरान किया।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं। मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाडियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाडियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है। शिविर के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य ध्यान खिलाडियों की फिटनेस और खेल के उन विशिष्ट क्षेत्रों पर रहेगा, जहां हमें सुधार की आवश्यकता है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं। है।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद ● एजेंसी

आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंट जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है। अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरान ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर: साई किशोर।

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अर ोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन। इम्पैक्ट प्लेयर: हर्ष दुबे।

बॉटम

निगार सुल्ताना करेंगी कप्तानी

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

ढाका ● एजेंसी

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उसिसे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी। टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

सीजेआई सूर्यकांत ने अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि न्याय भले ही अंधा होता है, लेकिन इसमें हास्य-बोध भी होता है, जो बहुत ही बेहतरीन होता है। सीजेआई सूर्यकांत ने रविवार को एक ऐसे कार्यक्रम में अदालतों के अंदर की परिस्थितियों पर अपनी बात रखी, जिसमें एक तरह से पूरा सुप्रीम कोर्ट मौजूद था। सीजेआई ने कहा कि हर फैसले के पीछे एक इंसान ही होता है, जिसकी अपनी कमियां भी हो सकती हैं, लेकिन उसमें हास्य भी हो सकता है और उससे सीखने का मौका भी मिलता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की पुस्तकों की लॉन्च पर पहुंचे थे और उन्होंने दोनों किताबों का जिक्र किया- द बेंच, द बार एंड द बिजारः द क्यूरियस एंड द एक्ट्राऑर्डिनरी इन लॉ; और द लॉफुल एंड द ऑफुलःक्वर्की टेल्स फ्रॉम द वर्ल्ड ऑफ लॉ। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ऐसी जगह है जहां रंगमंच और कानून का मिलन होता है। न्याय भले ही अंधा हो, लेकिन उसमें अनोखा हास्य-बोध होता है, शायद हंसी मजाक के प्रति एक लगाव भी। कार्यक्रम में सीजेआई बोल रहे थे, वहां सुप्रीम कोर्ट के करीब सभी जज श्रोताओं के तौर पर मौजूद थे।

पीएम मोदी की सात अपीलें उपदेश नहीं नाकामी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम मोदी की हालिया सात अपीलों पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी बताया। उन्होंने कहा कि अब देश चलाना पीएम मोदी के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा- कल मोदीजी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का इस्तेमाल घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाएं, कहां नहीं। दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके और पर्यावरण की रक्षा हो सके। पीएम मोदी रविवार को कहा था कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं।

क्या खाली है तमिलनाडु का खजाना...यहां थलापति कर रहे राजनैतिक बयानबाजी

चेन्नई । तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री विजय थलापति पहले दिन से ही चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् को लेकर उठे विवाद के बाद, दूसरा और बड़ा मुद्दा राज्य की आर्थिक स्थिति पर उनके दावे से शुरू हुआ है। नए मुख्यमंत्री बने विजय ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती डीएमके सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ा है और सरकारी खजाने को पूरी तरह से खाली किया है। इन दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीखा पलटवार कर कहा कि प्रदेश की नई सरकार के पास पैसा है, बस लोगों तक पहुंचाने की इच्छाशक्ति और शासन चलाने की क्षमता की कमी है। राज्य की राजनीति में नई सरकार आने के बाद पूर्ववर्ती सरकार पर खजाना खाली करने का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी सत्ता में आने वाली डीएमके सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती एआईएडीएमके सरकार पर इसतरह के आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति उतनी खराब है जितनी सीएम विजय ने बात दी है, या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा है? दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु पर भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा कर्ज है।

विजय का सिनेमा को बाय-बाय

पिछले 10 सालों में रजनीकांत ने तीन, विजय ने पांच बार हिट फिल्में दीं

चेन्नई ● एजेंसी

तमिल सिनेमा के 'थलपति विजय, अब तमिलनाडु के सीएम बन चुके हैं। राजनीतिक शक्ति के इस तख्त पर बैठने के लिए विजय ने दो साल पहले सिनेमा को बाय-बाय कह दिया था। वही सिनेमा जिसने उन्हें थलपति बनाया, उनकी आखिरी जन नायगन अभी रिलीज होनी बाकी है, लेकिन बड़े पर्दे से उतर रहे विजय के जाने से एक ऐसी जगह खाली हो गई जिसे तमिल सिनेमा में भरने वाला फिलहाल कोई नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय, 90 के दशक से ही स्टार बन गए थे। लेकिन 2000 के बाद, खासकर पिछले एक दशक में तो विजय तमिल फिल्म इंडस्ट्री के लिए रजनीकांत से लोकप्रिय सुपरस्टार बन गए थे। पिछले 10 सालों में रजनीकांत ने तीन बार, तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी हिट डिलीवर की है। कबाली (2016), 2.0 (2018) और दरबार (2020)। विजय ने पिछले 10 सालों में ये कमाल 5 बार किया। मर्सल (2017), बिगिल (2019), मास्टर (2021), लियो (2023) और द गोट (2024)। दिलचस्प बात ये है कि विजय की फिल्म ने जिस साल तमिलनाडु के बॉक्स ऑफिस चार्ट पर टॉप नहीं किया, उस साल भी टॉप 3 में तो जरूर रहीं। बीते 10 सालों में विजय ने हर साल कम से कम एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी। इन 10 सालों में रजनीकांत के अलावा विजय ही तमिलनाडु के केवल दूसरे स्टार हैं जिनकी फिल्म ने वर्ल्डवाइड 600 करोड़ का आंकड़ा पार किया है लेकिन ऐसे रिकॉर्डतोड़ आंकड़ों से ज्यादा अहम बात एक और है। 2016 से लगातार, तमिल बॉक्स ऑफिस के टॉप 3 में विजय की एक फिल्म जरूर रही है। बीते 10 सालों से तमिल सिनेमा के लिए, वो सबसे कंसिस्टेंट स्टार रहे हैं। विजय के जाते ही तमिल इंडस्ट्री में स्टार क्राइसिस नजर आने लगी है। इस इंडस्ट्री की 20 सबसे बड़ी फिल्मों में से 15 रजनीकांत और विजय की हैं। लेजेंड कमल हासन की

बस एक फिल्म इस लिस्ट में आती है विक्रम। इसे कमल हासन से ज्यादा, डायरेक्टर लोकेश कनगराज के फिल्म यूनिवर्स का कमाल ही समझिए क्योंकि पिछले 10 सालों में अकेले लीड एक्टर के तौर पर कमल की बॉक्स ऑफिस पावर बहुत ठंडी पड़ चुकी है। इन दोनों के बाद तमिल इंडस्ट्री का सबसे बड़ा स्टार एक ही है अजित कुमार। कार रेसिंग, बाइक राइड्स और तमाम अलग-अलग बिजनेस कर रहे अजित खुद कभी अपने स्टारडम को लेकर पैशनेट नहीं रहे। ऊपर से फैन्स ने स्टारडम का बोझ बेमतलब डाल दिया, जिसे वो भी आज जबरदस्ती ढो रहे हैं। अजित के बाद इंडस्ट्री के 3 बड़े नाम हैं- सूर्या, विक्रम और धनुष। सूर्या से इंडस्ट्री को लीड करने वाला स्टार बनने का खेल, खेला नहीं जा रहा। विक्रम को एकदम आउट ऑफ बॉक्स काम करने की ऐसी सूझी है कि वो बॉक्स ऑफिस पर गायब होते जा रहे हैं और धनुष के साथ वही दिक्कत है। धनुष उसी आदर्शवादी सोशल मैसेज वाले सिनेमा में सुख खोज रहे हैं, जिससे दर्शक भी ऊबने लगे हैं। यंग तमिल स्टार्स में सबसे बड़ी इंटरनेशनल पॉपुलैरिटी वाले धनुष की फिल्में मैसेज की उस ऊंचाई पर निकल जाती हैं, जहां से एंटरटेनमेंट बहुत छोटा दिखने लगता है।रिपोर्ट के मुताबिक 2010 के बाद आए तमिल फिल्म स्टार्स में सिर्फ शिवकार्तिकेयन ही ऐसे हैं जो लगातार एक दशक से कामयाब फिल्में डिलीवर कर रहे हैं। उनकी फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ का लैंडमार्क पार किया है, लेकिन अमरन (2024) के अलावा, लॉकडाउन के बाद से वो भी थोड़े कमजोर नजर आ रहे हैं। प्रदीप रंगनाथन ने बैक टू बैक 100 करोड़ वाली फिल्मों की हैट्रिक लगाई तो लोग उन्हें 'अगला रजनीकांत बोलने लगे, लेकिन चौथी फिल्म में वो नेक्स्ट लेवल पर जाने की बजाय, पिछले लेवल से भी नीचे चले गए। ऐसा लग रहा है कि घूम फिर कर तमिल फिल्म बिजनेस फिर रजनीकांत पर केंद्रित होने वाला है। रजनी अब पहले जितने कंसिस्टेंट हो भी जाएं, तो केवल एक अकेले सुपरस्टार के भरोसे कोई फिल्म इंडस्ट्री नहीं चलती। तमिलनाडु जैसे धुआंधार फिल्मची राज्य में फैन्स अपने सुपरस्टार्स को पूजते हैं, उन्हें अपनी पर्सनल मोटिवेशन, पब्लिक आइकॉन बनाते हैं, उनके लिए लड़ते हैं सिनेमा वहां एक इमोशन है। रजनीकांत पिछले 50 सालों से ये चेहरा बने रहे। करीब 30 साल पहले से विजय ने ये जगह ली। इस बीच आए बाकी लोग तमिल सिनेमा फैन्स के इमोशन को इस शानदार तरीके से नहीं संभाल पाए। तमिल डायरेक्टर्स पहले ही अपनी बड़ी फिल्मों के लिए बॉलीवुड और तेलुगु के बड़े स्टार्स से हाथ मिलाने लगे हैं। अब विजय बड़े पर्दे से उतरकर, सीएम की कुर्सी पर जनता के प्यार का चेहरा बनेंगे, लेकिन बड़े पर्दे पर तमिलनाडु के बॉक्स ऑफिस पर विजय एक बहुत बड़ी जगह खाली छोड़ रहे हैं, जिसे भरने वाला कोई चेहरा तमिल सिनेमा में फिलहाल नजर नहीं आ रहा है।

पेट्रोल-डीजल बचाएं और एक साल तक सोना न खरीदें : पीएम मोदी

लॉकडाउन जैसे संयम की जरूरत की सलाह दी

00 ● एजेंसी

हैदराबाद । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से राष्ट्र हित में कुछ कड़े और महत्वपूर्ण कदम उठाने की अपील की है। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने नागरिकों से विदेशी मुद्रा भंडार बचाने और संसाधनों का संयमित उपयोग करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री के इस संबोधन के बाद देश भर में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या भविष्य में एक बार फिर लॉकडाउन जैसी स्थिति बन सकती है।प्रधानमंत्री ने तेल और गैस की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में हमें पेट्रोल और डीजल का कम से कम खर्च

करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि जहां संभव हो, वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) को प्राथमिकता दें। पीएम ने सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो, बस और ट्रेन के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया और निजी वाहन इस्तेमाल करने वालों को कार-पूलिंग अपनाने की सलाह दी। उन्होंने माल ढुलाई के लिए भी रेलवे और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने की बात कही। विदेशी मुद्रा भंडार के संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री ने एक बेहद खास अपील की। उन्होंने कहा, मौजूदा संकट को देखते हुए हमें अपनी देशभक्ति दिखानी होगी। मैं आग्रह करता हूँ कि अगले एक साल तक लोग सोना खरीदने से बचें ताकि घरेलू मुद्रा और विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखा जा सके।

कोरोना काल के अनुशासन की याद दिलाई

पीएम मोदी ने कोरोना काल के कठिन समय का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान देशवासियों ने जिन कड़े नियमों का पालन किया था, वैसी ही अनुशासन की जरूरत आज फिर है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल सीमा पर प्राण न्योछावर करना नहीं है, बल्कि कठिन समय में जिम्मेदारीपूर्वक जीवन जीना और देश के प्रति कर्तव्यों का पालन करना भी है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि यदि नागरिक एकजुट होकर इन सुझावों पर अमल करेंगे, तो भारत इस वैश्विक आर्थिक चुनौती से मजबूती से बाहर निकलेगा।

सोमनाथ अमृत महोत्सव में पीएम को हुई दिव्य अनुभूति

अहमदाबाद। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया, जहां उन्होंने दिव्य अनुभूति व्यक्त कर कहा कि वे यहां आकर धन्य महसूस कर रहे हैं। यह महोत्सव पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के भक्तों के लिए अपने द्वार खोलने के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी भावनाएं व्यक्त कर प्रधानमंत्री मोदी ने जय सोमनाथ लिखा और बताया कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ पर पावनधाम सोमनाथ आकर मन अभिभूत और भावविभोर हो गया है। उन्होंने कहा कि वह आज उस क्षण को जी रहे हैं, जिसका अनुभव भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण के मौके पर जीआ होगा। उन्होंने इस दिन को भारत की सभ्यतागत यात्रा में एक मील का पत्थर बतायाइस ऐतिहासिक मौके पर भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक्स टीम ने बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक सोमनाथ मंदिर के ऊपर शानदार हवाई करतब दिखाए, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध हो गया।

प्रॉपर्टी बाजार धड़ाम! कई शहरों में 2005 जैसे दाम, लोगों ने बंद की श्वरूद्व

बीजिंग/नई दिल्ली ● एजेंसी

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन इन दिनों गंभीर प्रॉपर्टी संकट से गुजर रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई शहरों में मकानों और फ्लैटों की कीमतें 15-20 साल पुराने स्तर तक पहुंच गई हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीन के कई हिस्सों में प्रॉपर्टी के दाम 2005-06 के आसपास के रेट तक गिर चुके हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि लाखों लोगों ने होम लोन की किस्तें यानी ईएमआई देना तक बंद कर दिया है। चीन में पिछले कुछ वर्षों के दौरान एवरग्रांडे, कंट्री गार्डन और वांके जैसी बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां भारी कर्ज में डूब गईं। इन कंपनियों ने लोगों से पैसा लेकर हजारों प्रोजेक्ट शुरू किए, लेकिन आर्थिक संकट के कारण कई प्रोजेक्ट अधूरे रह गए। इससे नाराज खरीदारों ने 'मॉर्गेज बायकाट शुरू कर दिया और बैंकों को ईएमआई देना बंद कर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में लंबे समय तक प्रॉपर्टी बाजार कृत्रिम रूप से बढ़ाया गया। लोगों ने निवेश के लिए बड़ी संख्या में फ्लैट खरीदे, लेकिन वास्तविक मांग उतनी नहीं थी। जब अर्थव्यवस्था धीमी हुई और रोजगार संकट बढ़ा, तब प्रॉपर्टी बाजार का बुलबुला फूटने लगा।अब सवाल उठ रहा है कि क्या भारत में भी ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं? रियल एस्टेट विशेषज्ञों के अनुसार भारत और चीन की स्थिति पूरी तरह समान नहीं है। भारत में अभी भी शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और घरों की वास्तविक मांग बनी हुई है। भारत में अधिकांश लोग जरूरत के लिए मकान खरीदते हैं, जबकि चीन में निवेश के लिए बड़े पैमाने पर खरीदारी हुई थी। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। यदि बिल्डरों द्वारा अधूरे प्रोजेक्ट, अत्यधिक कर्ज, कृत्रिम कीमतें और निवेश आधारित खरीदारी तेजी से बढ़ी, तो भविष्य में कुछ शहरों में दबाव बन सकता है। खासतौर पर महानगरों में लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों और ऊंची ईएमआई को लेकर चिंता जताई जा रही है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि भारत में रेरा कानून, बैंकिंग नियंत्रण और अपेक्षाकृत मजबूत मांग फिलहाल सुरक्षा कवच का काम कर रहे हैं। फिर भी चीन का उदाहरण यह बताता है कि यदि रियल एस्टेट बाजार केवल सट्टेबाजी और कर्ज पर आधारित हो जाए, तो बड़े आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हो सकती है।

सोमनाथ के शिखर पर पहली बार कुंभाभिषेक

अहमदाबाद ● एजेंसी

गुजरात के गिर सोमनाथ में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर में आज सोमनाथ अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और महापूजा में भाग लिया। पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और भक्तिमय संगीत से सराबोर रहा। इस अवसर पर देशभर के साधु-संतों, कलाकारों और हजारों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ पहुंचकर सबसे पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन किया, जिन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था। इसके पश्चात, मंदिर के इतिहास में पहली

बार शिखर पर कुंभाभिषेक का अलौकिक दृश्य देखने को मिला। देश के 11 पवित्र तीर्थस्थलों के जल से भरे एक विशाल पांच फुट ऊंचे कलश को क्रेन की सहायता से करीब 90 मीटर ऊंचे मंदिर शिखर तक पहुंचाया गया, जहां शास्त्रों के अनुसार जलाभिषेक संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री ने इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। धार्मिक समारोह के साथ-साथ आज सोमनाथ की धरती पर राष्ट्रभक्ति और शौर्य का संगम भी देखने को मिला। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने मंदिर परिसर के ऊपर हैरतअंगेज एयर शो का प्रदर्शन किया। छह हॉक एमके-132 विमानों ने आसमान में आकर्षक फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों का मन मोह लिया। मंदिर के भव्य शिखर के ऊपर वायुसेना के इन विमानों की गूँज और कलाबाजियों ने श्रद्धालुओं के बीच रोमांच भर दिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का जामनगर से लेकर सोमनाथ तक अभूतपूर्व स्वागत किया गया। सोमनाथ पहुंचने पर उन्होंने एक भव्य रोड शो किया, जिसमें सड़क के दोनों ओर जमा जनसैलाब ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। गुजरात सरकार और सोमनाथ ट्रस्ट ने इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की थीं। मंदिर को विशेष लाइटिंग और विदेशी फूलों से सजाया गया है, जिससे रात्रि के समय इसकी आभा और भी मनोरम हो गई है।

बॉटम

खड़गे ने केंद्र के लेबर कोड लागू करने को मजदूरों के अधिकारों को झटका बताया

नए लेबर कोड में अब नौकरी पर जब चाहे रखो और जब चाहे निकालो

नई दिल्ली ● एजेंसी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में लागू हुए चार नए लेबर कोड पर आपत्ति जताते हुए इसे मजदूरों के हितों के लिए एक झटका बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बिना किसी सलाह के चार नए लेबर कोड लागू कर दिए। खड़गे ने एक बयान में कहा कि मोदी सरकार विधानसभा चुनाव खत्म होने का इंतजार करती रही। इसके बाद 8 और 9 मई 2026 को गजट अधिसूचना जारी कर चार मजदूर-विरोधी श्रम संहिताओं को लागू कर दिया। भारत के करोड़ों मजदूरों के लिए ये संहिताएं हायर एंड फायर की नीति ला रही हैं यानी नौकरी पर जब चाहे रख लो और जब चाहे निकाल दो। साथ ही ठेका पर रोजगार बढ़ेगा और ट्रेड यूनियन बनाने की गुंजाइश भी बहुत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना अहम है कि मोदी सरकार ने इन मजदूर-विरोधी संहिताओं का मसौदा तैयार किया और उन्हें बिना किसी परामर्श के लागू कर दिया। इसने 2015 के बाद से भारतीय श्रम सम्मेलन भी नहीं बुलाया। आजादी के बाद से मजदूरों के अधिकारों के लिए सबसे बड़ा झटका है। नए नियमों के तहत मूल वेतन कुल पारिश्रमिक का 50 फीसदी या उससे ज्यादा होना चाहिए। कर्मचारियों के लिए हाथ में आने वाले वेतन में भारी कमी देखने को मिलेगी। वेतन की एक जटिल और एकल परिभाषा ने वेतन संरचना को पूरी तरह से उलट दिया है, जिससे भत्ते कम हो गए और भारी भ्रम पैदा हो गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर अतिरिक्त लागतों और डिजिटल अनुपालन का नया बोझ उनके अस्तित्व के लिए एक चुनौती बन गया है। न्यूनतम वेतन सुरक्षा में कृषि मजदूरों और घरेलू सहायकों को शामिल नहीं किया गया है। खड़गे ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-दशा संहिता 2020 का जिक्र करते हुए कहा कि इस संहिता में कार्यस्थल पर सुरक्षा को नियोक्ता का अनिवार्य कर्तव्य मानने के बजाय, उसे सिर्फ व्यवसाय की एक अतिरिक्त खर्च बना दिया है। यह संहिता अपराध-मुक्तिकरण का ढांचा लाती है। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर चाहे उससे गंभीर चोट या दुर्घटना ही क्यों न हो अब आपराधिक मुकदमा चलाने के बजाय सिर्फ जुर्माना भरने की व्यवस्था है। रात की शिफ्ट में काम करने वाली महिलाओं के लिए एस्कॉर्ट, ट्रांसपोर्ट और सीसीटीवी कवरेज जैसे सुरक्षा उपायों के लिए कोई ठोस, अनिवार्य मॉडल नहीं है। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए नियोक्ता की जिम्मेदारी का कोई प्रावधान नहीं है। खरगे ने कहा कि भारत के 90 फीसदी मजदूर जो असंगठित क्षेत्र में हैं, उनके लिए यह संहिता कागजी औपचारिकता से ज्यादा कुछ नहीं, क्योंकि छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को कुछ प्रावधानों से छूट मिली हुई है। गिग वर्कर के लिए फंडिंग, योगदान या बीमा का कोई स्पष्ट मॉडल नहीं है। उन्हें न तो कर्मचारी के तौर पर मान्यता दी गई है और न ही पूरी सुरक्षा दी गई है। लाभ के स्तर और समय-सीमा स्पष्ट नहीं हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एंड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नंबर - एमपीएचआईएन/2023002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)